RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:256 ता. 03 अप्रेल 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

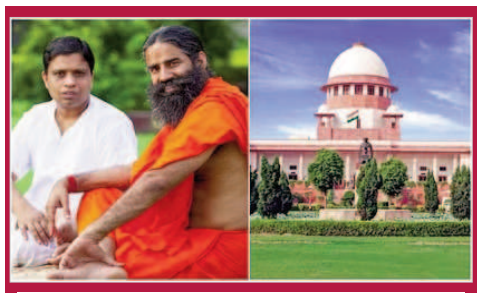

बाबा रामदेव और बालकृष्ण 10 अप्रैल को कोर्ट में फिर होंगे पेश

नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद की ओर से भ्रामक विज्ञापन और एलोपैथी चिकित्सा को निशाने पर लेने के मामले में आज योग गुरु रामदेव और एमडी आचार्य बालकृष्ण अदालत में पेश हुए। इस दौरान अदालत ने कहा कि आपको पहले ही चेतावनी दी गई थी और आपने शपथ पत्र भी दाखिल किया था। फिर क्यों इस तरह की गलती हुई। यह पूरी तरह से अवमानना है। केवल उच्चतम न्यायालय ही नहीं बल्कि देश की सभी अदालतों द्वारा पारित हर आदेश का आपको सम्मान किया जाना चाहिए। अदालत ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को निजी तौर पर फिर से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। अब दोनों को 10 अप्रैल को फिर कोर्ट में हाजिर होना होगा। इसी दिन हलफनामा भी दाखिल करना होगा। कोर्ट ने कहा कि हम आपको आखिरी मौका देते हैं और आपको जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का वक्त है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से पतंजिल पर कार्रवाई न करने पर भी हैरानी जताई। जस्टिस अमानुल्लाह और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने कहा कि आश्चर्य है कि जब पतंजलि कंपनी जोर-शोर से यह कह रही थी कि एलोपैथी में कोविड का कोई इलाज नहीं है तब केंद्र सरकार ने अपनी आंखें बंद क्यों रखी थी। इस पर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता हुए बीमार, अस्पताल में हुए भर्ती

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता की आज मंगलवार को अचानक तबीयत खराब हो गई। उन्हें सांस लेने में दिक्कत की शिकायत के चलते एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता को आज अचानक सांस लेने में दिक्कत होने से उन्हें घबराहट होने लगी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि लोकसभा चुनाव में व्यस्तता के चलते उन्हें आराम नहीं मिल पाया है। इसके चलते उन्हें घबराहट और सांस लेने में परेशानी हुई है। गौरतलब है कि इससे पहले भी प्रवीण सांस लेने में परेशानी होने के चलते एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाए गए थे। इससे पहले घर में ही उन्होंने खांसी-जुकाम के लिए दवाएं लीं थीं। इसके बाद घबराहट हुई और मामला बिगड़ते देख उन्हें फौरन ही मेडिकल आईसीयू में शिफ्ट किया गया। इलाज के कुछ घंटे बाद ही उन्हें छुट्टी भी दे दी गई थी। उनकी श्वास नली में किसी तरह की परेशानी होने की वजह से सांस लेने में दिक्कत होने की बात कही जा रही है।

भारत की विकास दर पर विश्व बैंक की मुहर कहा- 5 प्रतिशत विकास दर भी नहीं पकड़ सकेंगे एशियाई देश

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर विश्व बैंक ने भी अपनी मुहर लगा दी है। तमाम ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से भारतीय जीडीपी का ग्रोथ रेट अनुमान जारी होने के बाद अब विश्व बैंक ने भी इस पर मुहर लगा दी है। विश्व बैंक ने सोमवार को कहा कि एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर पिछले साल के 5.1 प्रतिशत की तुलना में धीमी पड़कर वर्ष 2024 में 4.5 प्रतिशत ही रहने का अनुमान है। इसका मतलब है कि एशियाई देशों की औसत विकास दर 5 फीसदी से नीचे ही रहेगी। दूसरी ओर, भारत की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी के आसपास रहने का अनुमान है। विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा कि एशियाई देशों की अर्थव्यवस्थाएं इस साल उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं, जितना वे कर सकती थीं। कर्ज, व्यापार बाधाएं और नीतिगत अनिश्चितताएं इस क्षेत्र की आर्थिक गतिशीलता को कमजोर कर रही हैं। सरकारों को कमजोर सामाजिक सुरक्षा तंत्र और शिक्षा में कम निवेश जैसी दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है।विश्व बैंक ने कहा कि एशिया की अर्थव्यवस्थाएं महामारी-पूर्व की तुलना में अधिक धीमी गति से बढ़ रही हैं, लेकिन यह रफ्तार भी दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक है। इस साल वस्तुओं एवं सेवाओं का व्यापार 2.3 प्रतिशत बढ़ने के अनुमान और केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में कटौती से भी इसमें मदद मिलेगी। विश्व बैंक के पूर्व एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र के मुख्य अर्थशास्त्री आदित्य मट्टू ने कहा, 'यह रिपोर्ट दर्शाती है कि एशियाई क्षेत्र दुनिया के बाकी हिस्सों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन यह इसकी अपनी क्षमता से थोड़ा कम है।'मट्टू ने कहा कि इस कमतर प्रदर्शन की एक बड़ी वजह यह है कि एशियाई देशों की अग्रणी कंपनियां वह भूमिका नहीं निभा रही हैं, जो उन्हें निभानी चाहिए। इसके अलावा चीन की अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार भी एक जोखिम पैदा कर रही है। आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि इस साल 2024 में चीन की अर्थव्यवस्था की रफ्तार 4.6 फीसदी रहने का अनुमान है। आईएमएफ ने भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 2024 में 6।7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है, जो पहले 6.3 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि चालू वित्तवर्ष में देश की ग्रोथ रेट 8 फीसदी के आसपास रहने का अनुमान है। विश्व बैंक ने भी भारत की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर 6.4 फीसदी का अनुमान जताया है।

कांग्रेस का लोकतंत्र पर भरोसा नहीं, देश को अस्थिर करना चाह रही

रुद्रपुर रैली में पीएम मोदी ने विपक्षी गठबंधन पर बोला हमला

देहरादून। (एजेंसी)

उत्तराखंड में सभी पांच लोकसभा सीटों के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुमाऊं मंडल के रुद्रपुर से अपनी चुनावी जनसभा की शुरुआत की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने इंडी गठबंधन पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को लूटा है। कांग्रेस का लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस देश को अस्थिर करना चाहती है।

उत्तराखंड में पहले चरण के मतदान के लिए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुमाऊं मंडल के रुद्रपुर एक विशाल जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। जनसभा में आई भीड़ को देखकर प्रधानमंत्री बहुत खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि लग ही नहीं रहा कि यह प्रचार सभा है। यह विजय सभा जैसी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चिचिलाती धुप में यहां आकर आप लोग जो जन तपस्या कर रहे हैं, मेरा मानना है वह बेकार नहीं जाएगी। उन्होंने कहा उत्तराखंड का विकास करके इसे उसके सही स्वरुप में लौटाऊंगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत मां नंदा देवी की जयकारे से की। उन्होंने कहा कि देवभूमि के इस आशीर्वाद से अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि मिनी इंडिया का आशीर्वाद मिल रहा है। देवभूमि के ध्यान से ही मैं धन्य हो जाता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा हमें विकसित उत्तरखंड बनाना है। अभी बहुत काम करना हैं। पिछले 10 सालों में उत्तराखंड विकास के कनेक्टिविटी से जुड़ा है। इतना ही नहीं उत्तराखंड से पलायन भी रुक गया है। बाहर गए साथी वापस लौटने लग हैं। अभी बहुत कुछ करना बाकी है। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री विपक्षी गठबंधन पर जकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को लूटा है। कांग्रेस का लोकतंत्र में भरोसा नहीं है।

कांग्रेस देश को अस्थिर करना चाहती है। राहुल गांधी का नाम लिए बगैर पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे ने ऐलान किया है कि अगर बीजेपी को तीसरी बार चुना तो देश में आग लग जाएगी। आज कांग्रेस तुष्टिकरण और अराजकता के दलदल में फंसी हुई है। कांग्रेस ने देश में घुसपैठियों को बढ़ावा दिया इतना ही नहीं भारत का एक द्वीप भी श्रीलंका को दे दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा 10 साल सत्ता से दूर रहने के बाद कांग्रेस अब देश में आग लगाने की बात कह रही है। उन्होंने वहां मौजूद जनता से कहा आप ऐसे लोगों को सजा देंगे ना? इस बार उन्हें मैदान में ही मत उतरने देना। कर्नाटक में एक कांग्रेस का नेता देश को दो हिस्सों में बांटने की बात कर रहा है। देश को बांटने की बात करने वालों को सजा मिलनी चाहिए की नहीं? ऐसे नेता को सजा देने की जगह कांग्रेस ने उसे लोकसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया है।

पीएम मोदी रामलला को टेंट से भव्य मंदिर में लाये हैं: अमित शाह

बेंगलुरु। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज यहां कहा कि लोकसभा चुनाव में एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाला राजग है और दूसरी तरफ भ्रष्ट और परिवारवादी विपक्षी गठबंधन है। भाजपा की बैठक में उन्होंने कहा कि पूरा देश एकजुट होकर प्रधानमंत्री मोदी के साथ है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी रामलला को टेंट से भव्य मंदिर में लाये हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा-जद(एस) गठबंधन कर्नाटक में सभी 28 लोकसभा सीट जीतेगा हम कांग्रेस को खाता भी नहीं खोलने देंगे। उन्होंने कहा कि हम भ्रष्टाचारियों को जेल भेजने का वादा कर सत्ता में आये थे। भ्रष्टाचारियों को जेल होनी चाहिए या नहीं? बैठक में अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता तुष्टिकरण की राजनीति के कारण रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि एक तरफ हम पीएम मोदी जी के शानदार और मजबूत नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी ओर परिवारवादी और भ्रष्ट इंडी गठबंधन युद्ध के मैदान में है। मैंने देश भर के लगभग 60 फीसदी राज्यों का दौरा किया है जहां भी मैं गया मैंने लोगों को मोदी, मोदी, मोदी कहते हुए सुना है। शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी जी ने 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया है। इन 23 वर्षों में विपक्षी मोदी जी पर 23 पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप भी नहीं लगा पाए हैं। मोदी जी ने पारदर्शिता के साथ काम करके एक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि मैं पिछले दो चुनावों के दौरान कर्नाटक के लोगों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। 2014 में बीजेपी ने कर्नाटक में 43 फीसदी वोट हासिल करते हुए 17 सीटें जीतीं। 2019 में भाजपा ने कर्नाटक में 51 फीसदी वोट प्राप्त करते हुए 25 सीटें जीतीं। इस बार मैं कर्नाटक के लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे हमें कर्नाटक की सभी 28 सीटों पर आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने वाला पूरी दुनिया में एक ही व्यक्ति है जिसने एक भी छुट्टी लिए बिना

भारत की जनता की सेवा की है। वहीं दूसरी ओर राहुल बाबा हैं जो गर्मी आते ही विदेश चले जाते हैं और पूरी कांग्रेस 6 महीने इन्हें ढूंढती रहती है। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल बाबा कहते थे जम्मू कश्मीर से धारा-370 मत हटाओ खून की नदियां बह जाएंगी। 5 अगस्त 2019 को मोदी जी ने धारा-370 हटा दी। वे बोले राहुल बाबा ये मोदी सरकार है खून की नदियां छोड़ो किसी की कंकड़ चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई है।

कांग्रेस का घोषणा पत्र तैयार- 5 अप्रैल को होगा जारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र तैयार कर लिया है। इसे 5 अप्रैल को जारी किया जाएगा।राष्ट्रीय राजधानी स्थित उसके मुख्यालय में अपना विजन डॉक्यूमेंट सह घोषणापत्र जारी करेगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को कहा कि पार्टी देश भर के लोगों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद 5 अप्रैल को अपना विजन डॉक्यूमेंट जारी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। घोषणापत्र लॉन्च के तुरंत बाद, सबसे पुरानी पार्टी 6 अप्रैल को मेगा रैलियां आयोजित करेगी, एक जयपुर में और दूसरी हैदराबाद में। जयपुर में कांग्रेस की सार्वजनिक रैली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और

प्रियंका गांधी सहित पार्टी के शीर्ष नेता सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। हैदराबाद रैली में, राहुल गांधी जनता से पार्टी के बड़े चुनावी वादों की घोषणा करेंगे और 2024 के संसदीय चुनाव के लिए उनका समर्थन मांगेंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि हमारा ध्यान हमेशा देश को कल्याण-उन्मुख, विकास-समर्थक दृष्टिकोण देने पर रहा है और इस चुनाव में भी इसे लोगों के सामने पेश किया जाएगा। इससे पहले, जयराम रमेश ने कहा कि देश भर में आठ मुख्य गारंटी कार्ड वितरित करने के लिए पार्टी का घर-घर गारंटी अभियान 3 अप्रैल से शुरू किया जाएगा।

मैसूर के युवराज के पास नहीं है कार और घर, किंतु संपत्ति 9 करोड़ की

- मैसूर लौकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार यदुवीर का सामना कांग्रेस के एम लक्ष्मण से है

बेंगलुरु । (एजेंसी)

मैसूर के वाडियार राजवंश के राजा यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने मैसूर लोकसभा सीट के लिए बीजेपी उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल करे दिया है। यदुवीर द्वारा रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष दाखिल किए नामांकन पत्र में दिए गए शपथ पत्र में आयकर विवरण में दर्शित आंकड़ों के अनुसार उनके पास कुल 9 करोड़ रुपये की संपत्ति है। उनकी पत्नी और बेटे के पास 1 करोड़ और 3.6 करोड़ की संपत्ति है। सबसे हैरानी की बात ये है कि यदुवीर वडियार के पास के पास न तो कोई घर है और न ही वाहन। उनके पास जो संपत्ति है उसकी कीमत 9 करोड़ रुपये है। इसमें मुख्य रूप से शेयरहोल्डिंग और कीमती सामान शामिल हैं। इस बीच उनकी पत्नी त्रिशिका कुमारी वडियार और बेटे आद्यवीर के पास 1 करोड़ रुपये और 3.6 करोड़ रुपये की संपत्ति है। दंपति के पास सोना, चांदी और कीमती धातुओं में भी महत्वपूर्ण होल्डिंग्स हैं। इसके अतिरिक्त वे विभिन्न कंपनियों के प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल हैं। बता दें कि मैसूर लौकसभा सीट से बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे 32 वर्षीय यदुवीर का सामना कांग्रेस के एम लक्ष्मण से है। यदुवीर ने अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स से इंग्लिश और इकोनॉमिक्स की पढ़ाई की है। महाराज बनने के बाद उन्हें कृष्णदात्ता चामराजा वाडियार के नाम से भी जाना जाने लगा। वाडियार राजघराने ने 1399 से मैसूर पर राज करना शुरू किया था। तब से राजा का एलान होते आया है। पिछली बार 1974 में राजतिलक हुआ था। तब यदुवीर के चाचा श्रीकांतदत्ता नरसिम्हाराजा वाडियार को गद्दी पर बैठाया गया था। 2013 में उनकी मौत हो गई थी। दो साल गद्दी खाली रही थी और उसके बाद यदुवीर को राजा बनाया गया।

एलओसी पर फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, सेना ने दागी गोली, वापस लौटा

राजौरी। (एजेंसी)

जम्मू कश्मीर में सीमा के पास फिर पाकिस्तानी ड्रोन और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही दिखी। इसके बाद भारतीय सेना के जवानों ने गोलीबारी की। गोलीबारी की वजह से ड्रोन नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर लौट आया। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले की सीमा के पास दो अलग-अलग स्थानों पर एक पाकिस्तानी ड्रोन और कुछ संदिग्ध लोगों की आवाजाही देखी गई। इसके बाद भारतीय जवानों ने गोलीबारी की वहीं सुंदरबनी इलाके में पाकिस्तानी ड्रोन भी नजर आया। वहीं रविवार-सोमवार आधी रात को केरी सेक्टर में कुछ संदिग्ध लोग नजर आए। इन गतिविधियों में शामिल लोगों को आतंकी माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सैनिकों पाकिस्तानी क्वाडकॉप्टर को मार गिराने के लिए चार राउंड फायरिंग की। गोलीबारी की वजह से वह नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर लौट गया। केरी सेक्टर सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे कुछ संदिग्ध लोगों का पता चलने के बाद सैनिकों ने कुछ राउंड फायरिंग भी की। गोली की आवाज सुनकर वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की ओर भाग गए। उनको ढूंढने के लिए तलाशी ली जा रही है, जिससे ये पता लगाया जा सके कि कोई ड्रोन न गिराया जाए और संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा कोई चीज ना छोड़ी जाए। इस मामले में अंतिम रिपोर्ट आने तक तलाशी अभियान जारी रहेगा।

पिछले दिनों गिरफ्तार किया था घुसपैटिया

16 मार्च को जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एलओसी के पास सुरक्षाबलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा था। पीओके के समानी गांव के निवासी मोहम्मद नदीम को नौशेरा सेक्टर में सेना ने तब रोका जब वह शुक्रवार देर रात सीमा पार से राजौरी की ओर आ रहा था। अधिकारियों ने बताया कि जवान गश्त कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने एक निहत्थे घुसपैठिए को देखा और पीछा करने के बाद उसे हिरासत में ले लिया।

तेज गर्मी और लू को लेकर आईएमडी ने चुनाव आयोग को किया सावधान

मतदाताओं और ड्यूटी स्टाफ के लिए जारी कर रहा एडवाइजरी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

इस बार मार्च में गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरु कर दिए थे। अप्रैल से लेकर जून तक इस बार ज्यादा गर्मी पड़ने की संभावना है। इस दौरान गर्मी के साथ-साथ लोकसभा चुनाव का पारा भी चढ़ गया है। गर्मी के साथ लू का अटैक भी इस बार अधिक दिन झेलना पड़ सकता है। देश के मैदानी इलाकों के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से अधिक लू चलने की संभावना है। गर्मियों को लेकर भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने केंद्रीय चुनाव आयो को सावधान कर दिया है और तेज गर्मी और लू से बचाव के इंतेजाम के लिए एडवायजरी जारी की है।

आईएमडी ने बताया कि अप्रैल से जून तक न सिर्फ गर्मी ज्यादा पड़ेगी बल्कि लू भी सामान्य से अधिक चलेगी। इस सीजन में 10 से 20 दिनों तक लू चलने की संभावना है। सबसे अधिक गर्मी मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, उत्तरी छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में पड़ेगी। यहां लू का सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा । इस दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, पूर्वोत्तर राज्यों और उत्तरी ओडिशा के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रह सकता है। वहीं अप्रैल में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ेगी।

आईएमडी का कहना है कि अप्रैल से जून में सामान्य तौर पर लू के 4 से 8 दिन रहते हैं। वहीं अप्रैल में 2 से 8 दिन लू का कहर रह सकता है। सामान्य तौर पर इस महीने में 1 से 3 दिन लू चलती है। अप्रैल में लू का सबसे ज्यादा असर ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि अप्रैल में देशभर में बारिश भी सामान्य हो सकती है। सामान्य तौर पर इस महीने में 39.2 मिलीमीटर बारिश देशभर में होती है। उत्तर पश्चिम भारत के अलावा मध्यवर्ती इलाके के कुछ हिस्सों और उत्तर भारत में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं पूरब और पूरब के तटीय इलाकों, पूर्वी और उत्तर पूर्वी भारत, दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य से कम बारिश होगी।

हीट वेव अडवाइजरी जारी

आईएमडी ने कहा इस बार अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव होने हैं और इसी दौरान गर्मी भी अपने तेवर दिखाएगी और लोग मतदान करने पोलिंग बूथ पर जाएंगे। ऐसे में लू लगने की अधिक संभावना होगी। इसकी वजह से मतदाताओं के साथ चुनावी ड्यूटी कर रहे स्टाफ को भी लू के चलते स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं आ सकती हैं। आईएमडी अपना पूर्वानुमान केंद्रीय चुनाव आयोग के साथ साझा किया है और चुनाव आयोग के लिए एडवाइजरी जारी कर रहा है। यह अडवाइजरी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए है।

चुनावी बॉन्ड न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के सबसे बड़े घोटालों में से एक है : कांग्रेस

- चुनावी बांड के नाम पर चंदा दो...व्यापार लो, ठेका लो...रिश्वत दो लूट नीति का पर्दाफाश

अहमदाबाद। (एजेंसी)

भाजपा सरकार की लूट नीति का पर्दाफाश करते हुए चंदा दो...व्यापार लो, ठेका लो...रिश्वत दो नीति का पर्दाफाश करते हुए अहमदाबाद शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हिम्मतसिंह पटेल ने कहा कि चुनावी बांड के नाम पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबी.आई.) ने 30 जनवरी, 2017 को चेतावनी पत्र में स्पष्ट रूप से कहा था कि चुनावी बांड के इस्तेमाल से काला धन, मनी लॉन्ड्रिंग जैसी अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि भाजपा को चंदा, ठेका, रिश्वत आदि धन मुहैया कराने वाली फर्जी कंपनी (शेल कंपनी) ने देश में भ्रष्टाचार का सुनियोजित नेटवर्क तैयार कर लिया है। 2018 के बाद, इसकी स्थापना के छह महीने के भीतर 43 कंपनियों ने चुनावी बांड खरीदे और कुल 384.50 करोड़ का दान दिया। 2018 में, वित्त मंत्रालय ने 19 कंपनियों को पीएमएलए का उल्लंघन करने के लिए उच्च जोखिम के रूप में पहचाना। इन 19 कंपनियों ने 2717 करोड़ रुपये के चुनावी बांड भी खरीदे, जिनमें से 18 कंपनियों को पीएमएलए का उल्लंघन करने के कारण वित्त मंत्रालय की उच्च जोखिम सूची से बाहर कर दिया गया। चुनावी बॉन्ड न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के सबसे बड़े घोटालों में से एक है. मोदी सरकार नहीं चाहती थी कि चुनावी बांड के बारे में भारतीय स्टेट बैंक 15 सेकंड में जो जानकारी दे सकता है, उसका खुलासा हो। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पूरा घोटाला उजागर हो गया है. चुनावी बांड में हेराफेरी करने के लिए चार अलग-अलग तरीके अपनाए गए हैं। केंद्र की भाजपा सरकार ने निजी कंपनियों से येन-केन-प्रकारेण चार तरह के चुनावी बांड के नाम पर चंदा दो...व्यापार लो... यानी प्री-पेड सिम कार्ड लो, ठेका लो... वाले तरीके से अरबों रुपये वसूले। रिश्वत दो... यानि पोस्ट पेड, किस्त वसूली यानि पहले ईडी, सीबीआई। इनकम टैक्स समेत तमाम एजेंसियों के सख्त होने के बाद कंपनियां चुनावी बॉन्ड खरीद रही हैं और उसे बचाने के लिए बीजेपी को चंदा दे रही हैं. कांग्रेस पार्टी निजी कंपनी के खिलाफ नहीं है, निजी निवेश के बिना आर्थिक विकास संभव नहीं है. 2004 से 2014 के बीच निजी निवेश जीडीपी का 32 फीसदी था. एक कंपनी नहीं, एक कॉर्पोरेट समूह में 10 कंपनियां, 15 कंपनियां, 20 कंपनियां हो सकती हैं। यानी एक कॉर्पोरेट समूह जिसका मालिक एक ही हो. पिछले छह साल में मोदी सरकार ने 38 कॉरपोरेट ग्रुप के 179 ठेके दिए हैं।

कॉरपोरेट प्रोजेक्ट करीब चार लाख करोड़ के हैं. जिन कंपनियों को यह प्रोजेक्ट मिला, उनसे दो हजार करोड़ के चुनावी बांड भाजपा में जमा कराए गए। चुनावी बांड के नाम पर भाजपा द्वारा की गई योजनाबद्ध लूट की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाना चाहिए और एक समय सीमा के भीतर गहन जांच की जानी चाहिए। भाजपा ने चुनावी बांड के नाम पर 82 अरब 52 करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा किया है. एक तरफ सरकारी खजाने से भारी लाभ देने और दूसरी तरफ चुनावी बांड के नाम पर कमीशन लेने और ईडी, आईटी और सीबीआई द्वारा किश्तें वसूलने के कई मामले सामने आए हैं.

जब से सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बांड की जानकारी सार्वजनिक की है। जो पार्टी 82 अरब 52 करोड़ रुपये के चुनावी बांड पर बैठी हो, वह मुख्य विपक्षी दल चुनाव न लड़ सके इसके लिए उसके बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और अवैध धन भी ले लिया जाए. यह लोकतंत्र और जनता जनार्दन के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा इसे माफ मत करो. कांग्रेस पार्टी ने विश्वास व्यक्त किया कि देश की महान जनता लोकतंत्र को नष्ट करने वाली भाजपा को माफ नहीं करेगी और उसे हरा देगी। भाजपा द्वारा पूर्व में किए गए बड़े-बड़े वादे पूरी तरह विफल रहे हैं। विपक्षी दलों को अगला लोकसभा चुनाव लड़ने से रोकने के लिए सारी चालें चलनी शुरू हो गई हैं, जब उन्हें बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ेगा।

देश की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने किया एक वीडियो में खुलासा

पीएम मोदी अपने सहयोगियों का कैसे रखते हैं ख्याल

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी देश की करोड़ों जनता के साथ अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों, सांसदों, पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का कैसे ख्याल रखते हैं। इसका खुलासा मोदी स्टोरी नाम के एक्स हैंडल पर देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का एक वीडियो क्लिप शेयर किया गया है। जिसमें वह बता रही हैं कि पीएम मोदी किस तरह से अपने सहयोगियों का ख्याल रखते हैं। यह वीडियो खूब पसंद किया जा रहा है।

निर्मला सीतारमण इस वीडियो में बता रही हैं कि एक नेतृत्वकर्ता कैसे अपने साथ के लोगों का ध्यान रखते हैं। उन्होंने वीडियो में बताया कि वह उनका पहला पब्लिक स्पीच था, जो लगभग ढाई घंटे चला था। वह बजट स्पीच था। वह नहीं जानती थी कि यह कितना लंबा होने वाला था। उन्होंने बताया कि वहां पहुंचने से पहले पानी भी नहीं पिया और पूरे सेशन के दौरान भी पानी नहीं पिया था। इसकी वजह से उनके शरीर में पानी की कमी आ गई। सीतारमण ने आगे कहा कि लोगों को लगा कि पता नहीं कि मेरे साथ क्या गलत हो गया। उन्हें बिना पढ़े ही चुप रहना पड़ा, तब लगभग 4-5 पैराग्राफ बचे हुए थे और सीतारमण ने स्पीकर महोदय से कहा कि कृपया इसे पढ़ा हुआ मान लें, क्योंकि वह अब और नहीं पढ़ सकती हैं।

सीतारमण ने आगे बताया कि वहां से वह घर नहीं पहुंची और पीएम मोदी का फोन आ गया कि आपने क्या किया है, कृपया अपना ख्याल रखें। उन्होंने ऐसा कहा और फोन रख दिया और पीएम ने देखभाल के लिए अपने निजी डॉक्टर को भेज दिया। पीएम ने डॉक्टर से कहा कि आप उनकी सभी जांच करें और देखें कि क्या वह ठीक हैं। निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि और उसके बाद समय-समय पर आज भी वह मुझे याद दिलाते हैं कि क्या तुम अपना ख्याल रख रही हो। जबकि, उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं है। वह कहते हैं कि इतने सारे मंत्री हैं, यदि आप अपना ख्याल रखेंगे तो आप सेवा कर सकेंगे और यदि नहीं तो मुझे क्षमा करें। सीतारमण ने आगे कहा कि उन्हें परवाह है। लोग उन्हें एक सख्त, गंभीर, बड़े नेता के रूप में देखते हैं।

संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

-जज ने ईडी से किया सवाल, हिरासत में क्यों रखना है जरूरी?

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट से आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह को बड़ी राहत मिली है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को संजय की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय से सवाल किए और पूछा कि आखिर संजय को हिरासत में रखना ही क्यों जरुरी है? इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से सवाल किया कि संजय सिंह 6 माह से जेल में बंद हैं और उनके पास से कोई पैसा भी नहीं मिला है। इसके बाद भी ईडी संजय सिंह को हिरासत में रखना चाहती है। आखिर उन्हें हिरासत में रखना जरूरी क्यों है?

आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान संजय सिंह के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील देते हुए कहा कि उनके खि लाफ न कोई बयान था न ही कभी चार्जशीट में बतौर आरोपी नाम लिया गया। महज 2 मौकों पर यह कहा गया कि एक करोड़ रुपये लिए गए। सुनवाई के दौरान ईडी ने जमानत याचिका का विरोध भी नहीं किया और इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत की तमाम शर्तें निचली अदालत तय करेगी।

गौरतलब है कि आप नेता दिल्ले ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए फरवरी में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 7 फरवरी को जमानत देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी थी।

ईडी ने हाईकोर्ट में दावा किया था कि संजय सिंह कथित घोटाले में प्रमुख साजिशकर्ता हैं और उन्हें अपराध से 2 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट ने संजय सिंह को जमानत देकर बड़ी राहत प्रदान कर दी है।

ऑनलाइन मंगवाया केक खाने के बाद बच्ची की मौत के मामले में 3 गिरफ्तार

पटियाला । (एजेंसी)

पंजाब के पटियाला में आनलाइन मंगवाया गया केक खाने के बाद 10 साल की बच्ची की मौत के मामले में पुलिस ने बेकरी मालिक समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप जोमैटो ने भी घटना पर दुख जताते हुए इस फर्म को अपनी लिस्ट से बाहर कर दिया है। इस मामले में बड़ा फर्जीवाड़ा भी सामने आया है। दरअसल पटियाला के अमन नगर इलाके में रहने वाली 10 साल की बच्ची मानवी का 24 मार्च को जन्मदिन था। इस मौके पर उसकी मां काजल ने जोमैटो पर कान्हा फर्म से केक मंगवाया। रात को परिवार के सभी लोगों ने जन्मदिन मनाया और केक खाया। केक खाने के बाद मानवी की तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान मानवी की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक मानवी की मौत के बाद उसके परिजनों ने केक भेजने वाले कान्हा फर्म के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जब जांच की गई तो उसमें जो पता दिया गया था वो फर्जी निकला और वहां ऐसी कोई दुकान ही नहीं थी। इसके बाद मानवी के परिजनों ने 30 मार्च को फिर जोमैटो के जरिए उसी कान्हा फर्म से फिर एक केक मंगवाया और जब उसे देने डिलीवरी एजेंट पहुंचा तो उस पकड़ लिया। डिलीवरी एजेंट के साथ जब पुलिस केक भेजने वाली दुकान पर पहुंची तो पता चला कि कान्हा फर्म

फर्जी थी और केक न्यू इंडिया बेकरी से भेजा गया था। इस दौरान केक से मौत होने के बाद परिजनों ने बचे हुए केक को फ्रीज में संभाल कर रखा था ताकि उसकी जांच की सके। पुलिस के मुताबिक न्यू इंडिया बेकरी के मालिक ने ही कान्हा फर्म नाम से एक और बेकरी रजिस्टर्ड करा रखा था और जोमैटो पर डिलीवरी के लिए इसी नाम का इस्तेमाल करता था। इस घटना को लेकर सिटी एसपी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। बेकरी के कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि बेकरी मालिक फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

मुजफ्फरपुर से बीजेपी सांसद अजय निषाद ने छोड़ी पार्टी, कांग्रेस का थामा हाथ

भाजपा अध्यक्ष नड्डा से कहा- उनके साथ छल हुआ, इससे वह दुखी हैं

मुजफ्फरपुर। (एजेंसी)

लोकसभा के कुछ पहले बिहार बीजेपी को एक बड़ा झटका लगा है। बीजेपी द्वारा मुजफ्फरपुर से सांसद का टिकट काटना महंगा पड़ा गया। टिकट कटने से नाराज मुजफ्फरपुर से सांसद अजय निषाद ने बीजेपी का साथ छोड़ दिया है और कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। राजनीति गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दे सकती है।

मुजफ्फरपुर सांसद अजय निषाद ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की कि उन्होंने बीजेपी छोड़ दी है। बीजेपी छोड़ने के कुछ देर बाद ही दिल्ली में उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। अजय निषाद ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से कहा कि उनके साथ छल हुआ है। इससे वह दुखी हैं। इसलिए बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। अब कांग्रेस उन्हें मुजफ्फरपुर से लोकसभा का उम्मीदवार बना सकती है। बता दें बीजेपी ने उनकी जगह मुजफ्फरपुर से राम भूषण निषाद को लोकसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया है। इससे अजय निषाद बीजेपी से नाराज चल रहे थे।अजय निषाद ने मंगलवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान बिहार के कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि अजय निषाद को बीजेपी में घुटन हो रही थी। वहीं मोहन प्रकाश ने कहा कि अजय निषाद के कांग्रेस में आने से पिछड़ों और अति पिछड़ों की लड़ाई और मजबूत होगी। कांग्रेस का दामन थाने के बाद सांसद अजय निषाद ने कहा कि कांग्रेस कैसे मजबूत हो, इसके लिए वह काम करेंगे। हालांकि, मुजफ्फरपुर से उनकी उम्मीदवारी को लेकर मंगलवार को कोई घोषणा नहीं हुई है वहीं दूसरी ओर सासाराम से बीजेपी सांसद छेदी पासवान के भी बागी होने की खबरें लगातार आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार छेदी पासवान कांग्रेस नेताओं के संपर्क बने हुए हैं और अगर बात बन गई तो वे बीजेपी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ एजेंसियों के काम से नाराज, दी नसीहत

जांच एजेंसियों राष्ट्र की सुरक्षा, आर्थिक स्थिति पर ध्यान दें जो सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा हैं

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने देश में काम कर रही जांच एजेंसियों को लेकर एक बड़ा बयान दिया है जिसमें उन्होंने जांच एजेंसियों को लेकर कहा है कि जांच एजेंसियों को उन मामलों में मुस्तैद होकर कार्रवाई करनी चाहिए, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हुए हैं। खासतौर से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मामलों पर गौर करना चाहिए जो सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा बने हुए हैं। सीजेआई ने कहा कि तलाशी और जब्ती की जांच एजेंसियों की शक्तियों और किसी व्यक्ति की निजता के बीच संतुलन बैठना जरूरी है। इस व्यवहार से निष्पक्ष समाज की आधारशिला बनेगी। कई कानूनी प्रक्रियाओं में देरी होती है जिससे निपटने के लिए व्यवस्थित रणनीति तैयार होनी चाहिए। सीजेआई ने एक कार्यक्रम में यह बात कही।

गौरतलब है कि कई ऐसे लोग हैं जिन पर कानून के उल्लंघन के गंभीर आरोप हैं। ऐसे आरोप लगने के बाद लोगों की जिंदगी और प्रतिष्ठा को नुकसान भी पहुंचता है। कानूनी प्रक्रिया में होने वाली देरी के कारण न्याय मिलने में भी समय लग जाता है जो की एक बड़ी बाधा है। सीबीआई के मामलों के निपटने में देरी को दूर करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति तैयार करने की जरूरत है। इसके पीछे कारण बताया गया है कि अगर राजनीति तैयार होगी तो लंबित मामले में लोगों को जल्द से जल्द न्याय मिल सकेगा और लोग न्याय पाने से वंचित नहीं रहेंगे। सीजेआई ने आगे कहा कि आपराधिक न्याय क्षेत्र में, तलाश और जब्ती शक्तियों तथा व्यक्तिगत गोपनीयता अधिकारों के बीच बहुत नाजुक संतुलन है और यह एक निष्पक्ष एवं न्यायपूर्ण समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि इस संतुलन के मूल में उचित प्रक्रिया को बनाए रखना जरुरी है। सीजेआई ने कहा लगता है कि चीजों में तेजी से बदलाव के बावजूद पिछले कुछ सालों में हमारी जांच एजेंसियों की व्यापकता का दायरा बहुत कम रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अकाली दल के बादल नहीं लड़ेगे लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने घोषणा की कि वह आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। बादल ने राज्य की संसदीय सीट के लिए उम्मीदवारों पर चर्चा के लिए पार्टी नेताओं, जिला पार्टी अध्यक्षों और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के सदस्यों के साथ एक दिवसीय बैठक के बाद यह घोषणा की। निवर्तमान लोकसभा में फिरोजपुर से सदस्य बादल से जब यह पूछा गया कि क्या वह संसदीय चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा कि वे चुनाव नहीं लड़ेंगे। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संभावित उम्मीदवारों के नाम पर विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने कहा कि परामर्श प्रक्रिया पूरी होने के बाद उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी।

डम्पर ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 5 की मौत, 3 घायल

नई दिल्ली। यूपी के चित्रकूट में एक तेज रफ्तार डम्पर ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें सवार यात्रियों में पांच की मौत हो गई जबकि 3 अन्य घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार चित्रकूट के कर्वी कोतवाली क्षेत्र के चकमाली में एक तेज रफ्तार डम्पर ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में अभी तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जबकि तीन घायल बजाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है। मरने वालों में एक महिला और चार पुरुष शामिल है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक ये दर्दनाक हादसा शहर कोतवाली क्षेत्र के कपसेठी-अमानपुर नेशनल हाईवे पर पर हुआ है।

वामपंथी महिला संगठनों ने की भाजपा के विज्ञापन की निंदा, वापस लेने की मांग

नयी दिल्ली। कई वामपंथी महिला संगठनों ने भाजपा के उस विज्ञापन की निंदा की है, जिसमें इंडिया' गठबंधन के नेताओं की नकल की गई है और उन्हें एक ''दुल्हन'' के लिए लड़ते हुए दिखाया गया है। उन्होंने मांग की कि इस विज्ञापन वापस लिया जाए। वामपंथी महिला संगठनों ने कहा कि भाजपा उस विज्ञापन वापस ले। इस जारी बयान पर ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वूमन एसोसिएशन की महासचिव मरियम धावले, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमन की महासचिव एनी राजा, ऑल इंडिया प्रोग्रेसिव वूमन एसोसिएशन की महासचिव मीना तिवारी समेत अन्य ने हस्ताक्षर किए हैं। बयान में कहा गया कि चार राष्ट्रीय महिला संगठन भाजपा द्वारा जारी हालिया चुनावी विज्ञापन की कड़ी निंदा करते हैं। यह विज्ञापन इस देश की महिलाओं का अपमान है क्योंकि यह उन्हें बेहद सामंती, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण से दर्शाता है।

जामनगर में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से भैंस टकराई, इंजन क्षतिग्रस्त

जामनगर । जामनगर रेलवे स्टेशन के पास वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से एक भैंस के टकरा गई। यह घटना रविवार रात को जामनगर शहर के धारानगर इलाके के पास हुई। जैसे ही वंदे भारत से भैंस के टकराने की सूचना मिलने के बाद टेक्निकल टीम और रेलवे अधिकारी हादसे वाली जगह पर पहुंचे। ट्रेन का इंजन वाला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। फिर ट्रेन को कुछ देर रोकर कर जांच की गई। इसके बाद ट्रेन रवाना कर दिया गया। गनीमत है कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, न ही कोई जनहानि नहीं हुई है। वंदे भारत ट्रेन को कुछ समय पहले ओखा तक बढ़ाया गया था। जब रात के वक्त जामनगर के धारानगर के पास पूरी रफ्तार से ट्रेन जा रही थी। तभी अचानक सामने से एक भैंस आ गई। हालांकि ट्रेन को कुछ देर के लिए रोक दिया गया और रेलवे पुलिस और रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे। पूरी घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। ट्रेन का इंजन थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया है।

नमो टी-स्टाल पर उमड़ी भीड़, कंगना रनौत पिलाई चाय

-भाजपा ने हिमाचल प्रदेश की मंडी से लोकसभा चुनाव में बनाया है प्रत्याशी

मंडी। (एजेंसी)

भारतीय फिल्म अभिनेत्री जो अपने बेबाक बयानों की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा ने हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से कंगना रनौत को अपना प्रत्याशी बनाया है। कंगना ने मंडी में भाजपा नेताओं व अन्य लोंगों को नमो-टी स्टाल में चाय पिलाई। इस टी स्टॉल पर कंगना को देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई।

हिमाचल प्रदेश के मंडी शहर में भाजपा ने नमो टी स्टॉल लगाया गया था। इस टी स्टॉल पर फिल्म अभिनेत्री और मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत पहुंची और वहां मौजूद भाजपा नेताओं और अन्य लोगों को चाय पिलाने के साथ खुद भी चाय की चुस्कियां का आनंद लिया। इससे पहले कंगना ने मंडी शहर के बाबा भूतनाथ मंदिर व माता सिद्ध काली मंदिर में पूजा अर्चना की। पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि पूरे देश में जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रुप में देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी सभी लोकसभा सीटों पर कार्यकर्ताओं में चुनावों को लेकर भारी उत्साह है।

उन्होंने कहा कि इस बार भी हिमाचल प्रदेश की भाजपा चारों की चारों सीटें जीत कर केंद्र में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि मंडी लोकसभा क्षेत्र से अभिनेत्री कंगना रनौत को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद उन्होंने मंडी के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावों की रणनीति तैयार कर ली है! जयराम ने कहा कि लोकसभा के चुनावों और विधानसभा के उप चुनावों के बाद हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि सभी की अपनी कुछ व्यस्तताएं हैं, जिनके चलते कुछ नेता बैठकों में नहीं आ सके,

लेकिन वह नेता किसी नाराजगी के वजह से नहीं आ सके हैं, वह आने वाले समय में भाजपा के साथ एकजुट होकर चलेंगे। उन्होंने कहा कि मंडी लोकसभा प्रत्याशी कंगना रनौत के कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की गई है। इस मौके पर जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल समेत अन्य भाजपा नेता भी मौजूद थे।

चुनाव ड्यूटी करने से मना करने पर शिक्षिका की गिरफ्तारी के आदेश

अहमदाबाद ।

गुजरात के अहमदाबाद में एक शिक्षिका को चुनाव ड्यूटी करने से मना करने पर उसकी गिरफ्तारी के आदेश दिये गये हैं। अहमदाबाद के चेनपुर प्राथमिक विद्यालय में हीनल प्रजापति शिक्षिका के तौर पर कार्यरत है। हीनल प्रजापति को अरेस्ट करने पुलिस विद्यालय पहुंची। तब शिक्षिका ने चुनाव कार्य में नहीं जुड़ पाने की वजह बताई इसके बावजूद उन्हे बीएलओ का काम सौंपा गया है। शिक्षिका ने कहा कि घर पर सास-ससुर बीमार हैं। बच्चा छोटा है जिसकी वजह से मैंने घाटलोडिया विधानसभा में बीएलओ का कार्य नहीं देकर करीब में बीएलओ का काम देने की मांग की। चुनाव कार्य में नहीं जुड़ पाने की वजह बताने के बाद भी पुलिस अरेस्ट करने पहुंची है।

शिक्षिका को अरेस्ट करने पहुंची पुलिस को लेकर शिक्षक संघों की तरफ से विरोध दर्ज किया गया है। संघ ने कहा है कि चुनाव अधिकारी अरेस्ट करने जैसे आदेश देने वाले अधिकारियों पर ध्यान दें। बड़ी संख्या में शिक्षक चुनाव का कार्य करते हैं। शिक्षिका ने उपस्थित नहीं की वजह बताई इसके बावजूद उनके खिलाफ अरेस्ट करने जैसी कार्रवाई का आदेश देना ठीक नहीं है। संघ ने मांग की है कि महिला शिक्षकों को घर के पास ड्यूटी दी जाए। शिक्षिका को अरेस्ट करने का आदेश दिए जाने पर डिप्टी कलेक्टर उमंग पटेल ने कहा कि चेनपूर स्थित विद्यालय की शिक्षिका को बीएलओ की जिमेदारी सौंपी गयी थी। शिक्षिका ने लिखित में बीएलओ का काम नहीं देने को कहा था। उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टता देने को कहा गया था। फिर भी उपस्थित नहीं रहने पर शिक्षिका को उपस्थित करने के लिए वॉरंट जारी किया गया था। डिप्टी कलेक्टर उमंग पटेल ने कहा कि हमने शिक्षिका की बात सुनी है उनके जवाब से सतुष्ट होने पर दूसरी जगह ड्यूटी सौंपने को कहा गया है।

उत्तर कोरिया ने मध्यम दूरी की मिसाइल दागी, दक्षिण कोरिया की सेना ने किया दावा

सियोल। उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट स्थित जलक्षेत्र की ओर मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। यह जानकारी दक्षिण कोरिया की सेना ने देते हुए दावा किया है कि इस प्रक्षेपण से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। इस संबंध में जानकारी दे रहे दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' का कहना था कि मिसाइल को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के करीबी क्षेत्र से प्रक्षेपित किया गया। फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि मिसाइल ने कितनी दूरी तय की है। गौरतलब है कि पिछले माह ही उत्तर कोरिया ने अपनी नई, मध्यम दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल के लिए ठोस-ईंधन चालित एक इंजन का भी परीक्षण किया था। इससे पहले, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने परमाणु आयुद्ध ले जाने में सक्षम उन रॉकेट को दागे जाने के अभ्यास का निरीक्षण किया था जिन्हें कथित तौर पर दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है। यहां जापान के तट रक्षक दल ने देश के रक्षा मंत्रालय का आकलन साझा करते हुए कहा है कि जल क्षेत्र से गुजरने वाले जलपोत्र सावधानी बरतें। यह अलग बात है कि मिसाइल पहले ही जल क्षेत्र में उतर चुकी है।

स्वीडन में कुरान जलाने का आरोपी सलवान मोमिका नॉर्वे में मृत मिला

नार्वे। स्वीडन में कुरान जलाने के आरोपी पूर्व इराकी मिलिशिया नेता सलवान मोमिका नॉर्वे में मृत पाए जाने की खबर आई है। दरअसल स्वतंत्र भाषण और कुरान को सार्वजनिक रूप से जलाने की वकालत करने के चलते वैश्विक स्तर पर बदनामी झेल रहे मोमिका स्वीडन से नॉर्वे चले गए थे। गौरतलब है कि मोमिका खुद को एक उदारवादी नास्तिक आलोचक और विचारक बतलाते थे। सलवान मोमिक तब चर्चा में आए थे जबकि जून 2023 में ईद पर उसने पवित्र कुरान की प्रति पर हमला कर उसे स्टॉकहोम की सबसे बड़ी मस्जिद के सामने जला दिया था। उनके ही एक दोस्त ने इस कृत्य को फिल्माया और वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद मोमिक की चहुंओर आलोचना हुई थी। सूत्रों के हवाले से आज मंगलवार को खबर दी गई है कि 37 वर्षीय एक व्यक्ति मृत पाया गया है, लेकिन कुछ ही देर बाद बताया गया कि आगे की पुष्टि की प्रतीक्षा की जा रही है। इससे पहले दावा किया गया था कि इराकी शरणार्थी और इस्लामी आलोचक सलवान सबा मैटी मोमिका का शव नॉर्वे से बरामद हुआ है।

जापान में आया 6.1 तीव्रता का भूकंप, कोई नुकसान नहीं

टोक्यो। जापान के उत्तरी प्रांत इवाते में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार यह भूकंप स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 4 बजकर 24 मिनट पर आये। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई है। भूकंप का केंद्र इवाते प्रान्त के उत्तरी तट पर 40.1 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 141.7 डिग्री पूर्वी देशांतर के साथ पृथ्वी की सतह से 80 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इससे किसी भी तरह का कोई नुकसान की सूचना नहीं है। जापानी एजेंसी ने सुनामी की भी कोई चेतावनी जारी नहीं की है।

इजरायली हवाई हमले में पांच एनजीओ कार्यकर्ताओं की मौत

गाजा। मध्य गाजा के दीर अल-बलाह शहर में सोमवार देर रात इजरायली हवाई हमले में पाच एनजीओ कार्यकर्ताओं की मौत हो गई। यह कर्मचारी गाड़ी चलाते समय मारे गए। हमास द्वारा संचालित सरकारी मीडिया ने यह जाकनारी दी। मीडिया कार्यालय ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि इस हमले में मरने वालों में चार विदेशी सहायता कर्मी और एक फिलिस्तीनी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वे उस बंदरगाह का जायजा लेने मिशन पर गए थे, जिसे मानवीय सहायता का एक नया हिस्सा मिलेगा। बयान में यह भी कहा गया है कि वे गाजा पट्टी में मानवीय सहायता ले जाने वाले जहाजों को प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार थे। इज़रायली सेना ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि वह इस दुखद घटना का पता लगाने के लिए गहन समीक्षा कर रही है।

दुनिया का सबसे महंगा अंडरवॉटर होटल है मालदीव में

-चारों ओर दिखती हैं मछलियां

माले। एक ट्रैवल कपल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो कुछ दिनों पहले पोस्ट किया था जिसमें दुनिया का सबसे महंगा अंडरवॉटर होटल देखने को मिल रहा है। इस होटल में रहना किसी अनुभव से कम नहीं है। वो इसलिए क्योंकि ये पूरी तरह समुद्र के नीचे बना है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस होटल का नाम मुराका है जो मालदीव्स में है। होटल में 1 रात रुकने के लिए आपको 17 लाख रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ेंगे। ये होटल समुद्र तल से 16 फीट नीचे है। वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि लिफ्ट से सबसे पहले पानी के नीचे जाना पड़ता है। जैसे ही आप नीचे पहुंचेंगे, आपको कांच की दीवारें नजर आएंगी जिसके दूसरी ओर सिर्फ समुद्र दिख रहा है। मछलियां चारों ओर नजर आ रही हैं। बेडरूम तो और भी ज्यादा हैरान करने वाला है क्योंकि उसमें छत से लेकर दीवारों तक में सिर्फ पानी नजर आ रहा है। कई लोगों को ये डरावना भी लग सकता है। बाथरूम भी ओपन है, सामने पानी और मछलियां दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो को 8 करोड़ व्यूज मिल चुके हैं जबकि लाखों लोगों ने लाइक किया है और हजारों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि सोचिए, रात में कितना अंधेरा हो जाता होगा, और पता ही नहीं चलता होगा कि कांच के दूसरी ओर क्या चीज है! वहीं एक ने पूछा कि आखिर इसे बनाया कैसे गया होगा? एक इंफ्लुएंसर ने भी कमेंट किया और बताया कि वो इस कमरे में रुक चुकी है और वो बहुत डरावना अनुभव था। बता दें कि दुनिया के लगभग सभी शहरों में बड़े-बड़े होटल हैं जहां यात्री जाकर रुकते हैं और होटल का आनंद उठाते हैं। भारत में भी कई बड़े होटल मौजूद हैं।

जुड़वा बहनों ने की सेना से रिटायर शख्स से शादी

-फेसबुक प्रोफ़ाइल तस्वीर से चला शादी का पता

वॉशिंगटन। अमेरिका की रहने वाली संयुक्त जुड़वा बहनें एबी और ब्रिटनी हेंसल फिर से सुर्खियों में हैं। इन दोनों जुडवां बहनों ने शादी रचा ली है। एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों ने एक नर्स और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना से रिटायर जोश बॉलिंग से शादी की है। हेंसल की फेसबुक प्रोफाइल तस्वीर से पता चलता है कि यह उनकी शादी की तस्वीर है। जिसमें शादी की पोशाक में जुड़े हुए जुड़वां बहनें र ग्रे सूट में बॉलिंग उनके सामने खड़े हैं और उनका हाथ पकड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जुड़वां बहनें फिलहाल एक शिक्षक के रूम में काम कर रही हैं और वह पांचवीं कक्षा के बच्चों के पढ़ाती हैं। दोनों अपने जन्मस्थान और गृहनगर मिनेसोटा में रहती हैं। बॉलिंग के फेसबुक पर ऐसी तस्वीरें हैं जिनमें उन्हें छुट्टियों की तस्वीरों के अलावा जुड़वा बहनों के साथ आइसक्रीम का आनंद लेते हुए दिखाया गया है। दोनों का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें जुड़वां बहनें बॉलिंग के साथ डांस करते नजर आ रही हैं।यह छोटी क्लिप वायरल हो रही है। एबी और ब्रिटनी हेंसल जुड़वा बहनें हैं जिनका रक्त प्रवाह और कमर के नीचे के सभी अंग एक जैसी हैं। एबी उनके दाहिने हाथ और पैर को नियंत्रित करती है, जबकि ब्रिटनी बाईं ओर को नियंत्रित करती है।

कांगो में राष्ट्रपति फैलिक्स तैसीकैदी ने देश की नयी प्रधानमंत्री जूडिथ तुलूका से मुलाकात की।

आम चुनाव बाद सुधर सकते हैं भारत-पाक के रिश्ते : ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा है कि भारत में आम चुनाव के बाद भारत-पाक रिश्ते बेहतर हो सकते हैं। ख्वाजा आसिफ के इस बयान से कुछ दिन पहले ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर में कहा था कि पाकिस्तान करीब करीब 'औद्योगिक स्तर' पर आतंकवाद का प्रायोजन कर रहा और ऐसे में भारत का मूड अब आतंकवादियों को नज़रअंदाज़ करने का नहीं है। यहां इस्लामाबाद में संसद भवन के बाहर पत्रकारों से चर्चा कर रहे पाक के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, कि भारत में लोकसभा चुनाव 2024 के बाद उससे हमारे संबंध बेहतर होने की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की अपनी पृष्ठभूमि रही है। गौरतलब है कि भारत में 543 लोकसभा सीटों के लिए 19 अप्रैल से चार जून के बीच सात चरणों में चुनाव होना तय पाया गया है। वहीं अफगानिस्तान मामले में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना था कि एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अफगानिस्तान का दौरा किया और वहां की तालिबान सरकार से आतंकवाद को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का अनुरोध भी किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रति अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार का रवैया लगातार उतार-चढ़ाव वाला रहा है, इस कारण पड़ोसी के लिए हमारे विकल्प दिन-ब-दिन कम होते जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह बात भी है कि पाकिस्तान हमेशा से ही अफगानिस्तान के साथ खड़ा रहा है, उनके लिए कुर्बानी भी दी है।

पाकिस्तान के लिए गले की हड्डी बना आतंकवाद- चीन और आतंकियों के बीच पिस रही सरकार

करांची (एजेंसी)। आतंक की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान के लिए आतंकवाद गले की हड्डी बन गया है। चीन के अधिकारियों के लिए पाकिस्तान सरकार ने एक नया आदेश जारी किया है, जिसके मुताबिक अब वे लोग बुलेटप्रूफ वाहनों में यात्रा करेंगे। दरअसल, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान सरकार को ऐसे इनपुट मिले हैं, जिनमें बताया गया है कि वहां मौजूद चीनी नागरिकों पर अभी और बड़े आतंकवादी हमले हो सकते हैं। और इसी वजह से पाकिस्तान सरकार ने चीनी नागरिकों पर आतंकवाद हमले की धमकी को देखते हुए यह आदेश जारी किया है।

इस आदेश के मुताबिक पाकिस्तान में सीपैक प्रोजेक्ट में काम कर रहे चीनी नागरिकों के अलावा अन्य चीनी नागरिक जो सीपैक प्रोजेक्ट के अलावा भी काम कर रहे हैं, उन सभी को बुलेट प्रूफ वाहन दिया जाएगा। चीनी नागरिक इन्हीं बुलेटप्रूफ वाहनों में अपनी यात्राएं करेंगे। इसके अलावा हर चीनी नागरिक के वाहन के साथ सुरक्षा गाड़ियां भी चलेंगी। पाकिस्तान सरकार ने अपने आदेश में स्पष्ट तौर पर कहा है कि यदि कोई चीनी नागरिक ऐसा करने से मना करता है तो इस बाबत तत्काल पाकिस्तान प्रशासन को सूचित किया जाए। यह भी आदेश दिया गया है कि चीनी नागरिकों के मूवमेंट की हर जानकारी स्थानीय प्रशासन को होनी चाहिए, जिससे होने वाले किसी भी बड़े आतंकवादी घटना को रोका जा सके।

ध्यान रहे कि पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं और पिछले

सप्ताह हुए हमले में पांच से छह चीनी नागरिक मारे गए थे। इसके पहले भी चीनी नागरिकों पर हमले हुए हैं और उसमें भी अनेकों चीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। पाकिस्तान प्रशासन का स्पष्ट तौर पर कहना है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। चीनी नागरिकों को बुलेट प्रूफ वाहन के अलावा किसी भी वाहन में यात्रा करने से एक तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है।दूसरी ओर, पाकिस्तान में आत्मघाती बम हमले में मारे गए चीन के पांच कर्मियों के शवों को सोमवार को एक विशेष पाकिस्तानी सैन्य विमान से वुहान लाया गया। पाकिस्तान के अशांत पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर-पख्तूनख्वा में 26 मार्च को विस्फोटक से भरे एक वाहन ने एक बस को टक्कर मार दी थी, जिससे बस में सवार कम से कम पांच चीनी नागरिकों सहित छह व्यक्तियों की मौत हो गई।

इजराइल का ईरानी दूतावास पर हमला, दो जनरल समेत 7 की मौत

- ईरानी राजदूत ने हमले का बदला लेने का लिया संकल्प

दमिश्क (एजेंसी)। सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर इज़राइली हमले में ईरान के दो जनरल और पांच अधिकारी मारे गए हैं। दरअसल, ईरान गाज़ा और लेबनान में इज़राइल से लड़ने वाले चरमपंथी समूहों का समर्थन करता है। इजराइल ईरानी ठिकानों पर हमले को बमुश्किल ही स्वीकार करता है। उसने सीरिया में हुए इस हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ईरानी अधिकारियों ने इस इज़राइली हमले की जानकारी दी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजराइल द्वारा ईरान के सैन्य अधिकारियों को निशाना बनाने की घटनाएं बढ़ी हैं। दरअसल, ईरान गाज़ा और लेबनान में इज़राइल से लड़ने वाले चरमपंथी समूहों का समर्थन करता है। गाज़ा में करीब छह महीने पहले युद्ध शुरू होने के बाद से लेबनान में ईरान समर्थित हिज़्बुल्ला के चरमंपथियों तथा इज़राइल के बीच संघर्ष बढ़े हैं।

हालांकि इज़राइली सेना के एक प्रवक्ता ने दक्षिण इज़राइल में एक नौसेना अड्डे पर सोमवार तड़के हुए ड्रोन हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार माना था। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोही भी इज़राइल पर मिसाइलें दाग रहे हैं। ईरान के मुताबिक सोमवार को सीरिया में किए गए हवाई हमले में जनरल मोहम्मद रज़ा ज़ाहेदी की मौत हो गई। इस हमले में जनरल मोहम्मद हादी हजरियाहिमी तथा पांच अन्य अधिकारियों की भी मौत हुई है।

हिज़्बुल्ला के एक प्रवक्ता ने एक समाचार पत्र से कहा कि चरमपंथी समूह का सदस्य हुसैन युसूफ भी हमले में मारा गया। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि इस इज़राइली हमले दो सीरियाई नागरिक भी मारे गए हैं। वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा में तैनात दो पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए हैं और मलबे में अब भी शवों की तलाश की जा रही है। सीरिया एजेंसी के मुताबिक, हमले में ईरानी वाणिज्य दूतावास की इमारत पूरी तरह से बर्बाद हो गई है जबकि इसका मुख्य दूतावास भवन सही सलामत है। वहीं इज़राइली हमले से गुस्साए ईरानी राजदूत ने हमले का बदला तेज और कठोरता से लेने का संकल्प लिया। फलस्तीन के हमास और इस्लामिक जिहाद ने इज़राइल पर गाज़ा के संघर्ष को और बढ़ाने की कोशिश का आरोप लगाया। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दुनिया के देशों से इस इज़राइली हमले की निंदा करने की अपील की है। वहीं इजराइली सेना ने कहा कि मंगलवार तड़के सीरिया की ओर से इज़राइल पर दागे गए कुछ गोले लक्ष्य पर पहुंचने से पहले ही नष्ट कर दिए गए हैं।

भारत को जरूर मिलेगी यूएनएससी में स्थायी सदस्यता, एस जयशंकर ने बताया बस ये करना होगा

करांची (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता मिलने को लेकर आशा व्यक्त की है। मंत्री ने कहा कि यह अपरिहार्य है, लेकिन उन्होंने इस संबंध में अधिक प्रयास करने का भी आह्वान किया। जयशंकर ने राजकोट में बुद्धिजीवियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व शांति निकाय में प्रतिष्ठित स्थान हासिल करने के लिए मेहनती काम जरूरी है. वर्तमान में, रूस, चीन, फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य हैं। जयशंकर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गति अब स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी के पक्ष में है। संयुक्त राष्ट्र का गठन लगभग 80 साल पहले हुआ था, और इन पांच देशों ने आपस में इसकी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि आज लगभग 193 देशों के साथ विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य को रेखांकित करते हुए पांच देशों ने स्थायी सदस्यता हासिल की है। लेकिन इन पांच देशों ने अपना नियंत्रण बनाए रखा है। यह अजीब है कि आपको उनसे हमें बदलाव के लिए अपनी सहमति देने के लिए कहना पड़ रहा है। जयशंकर ने कहा कि कुछ सहमत हैं, कुछ अन्य ईमानदारी से अपना पक्ष रखते हैं, जबकि अन्य पीछे से कुछ करते हैं। मंत्री ने भारत, जापान, जर्मनी और मिस्र से जुड़े सहयोगात्मक प्रस्तावों के बारे में बात की, जो प्रगति का संकेत देते हुए संयुक्त राष्ट्र को प्रस्तुत किए गए हैं। लेकिन अब दुनिया भर में यह भावना है कि इसमें बदलाव होना चाहिए और भारत को स्थायी सीट मिलनी चाहिए।

अमेरिका में भी धार्मिक ध्रुवीकरण कर चुनाव जीतेंगे ट्रंप?

- भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रम्प के गुरु

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। नवंबर माह में अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। मौजूदा राष्ट्रपति जो वाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है। अमेरिका में चंदा जुटाने के मामले में अभी जो वाइडेन आगे हैं।

इस चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धर्म का कार्ड खेलना शुरू कर दिया है। उनकी हर रैली में धर्म से जुड़ा हुआ भाषण पढ़ा जा रहा है। उनकी सभाओं में धार्मिक संगीत बजाया जा रहा है। अपने जोशीले भाषण के साथ ट्रंप लोगों को ईसाई धर्म की रक्षा करने का संकल्प दिलाते हैं। हर कार्यक्रम में वह अपने साथ पादरी और धार्मिक प्रचारकों को भी साथ में लेकर जा रहे हैं। ट्रंप सभी लोगों को जो वहां उपस्थित होते हैं। उन्हें सिर झुकाकर मौन रखने की अपील करते हैं। ट्रंप अपने समर्थकों से वफादार रहने का वादा भी ले रहे हैं।

ट्रंप ने इसके पहले चर्च की सेवाओं में अपनी रुचि नहीं प्रदर्शित की थी। लेकिन अब उन्होंने 5000 रूपये की बाइबल की बिक्री के लिए अपना वीडियो पोस्ट किया है। ट्रंप ईसाई धर्म के प्रचारकों का समर्थन पाने के लिए अभियान को बड़े पैमाने पर चला रहे हैं। राष्ट्रपति

पद का चुनाव वह पूरी तरह से धार्मिक ध्रुवीकरण के बल पर जीतना चाहते हैं।

भारत के प्रधानमंत्री ट्रम्प के गुरु

राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप के प्रेरणा स्रोत भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। नरेंद्र मोदी ने दो बार भारत में हिंदुत्व का धार्मिक धुर्वीकरण कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। पिछले चुनाव में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका बुलाया था। अबकी बार ट्रंप सरकार के नारे भी लगवाये थे। उस समय ट्रंप धार्मिक ध्रुवीकरण को अभियान की तरह नहीं चला रहे थे। उन्होंने पिछला चुनाव, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के साथ लड़ा था। अब उन्होंने अपने चुनाव प्रचार में खुल्लम-खुल्ला ईसाई धर्म की रक्षा के संकल्प के साथ अपने आप को नए स्वरूप में पेश किया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना गुरु मानने लगे हैं। जिसके कारण अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव चर्चाओं में आ गया है।

कच्चातिवु द्वीप मामले में श्रीलंका ने कहा- भारत सरकार ने कोई जवाब नहीं मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलंबो,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के चलते श्रीलंका को कच्चातिवु द्वीप सौंपे जाने का मामला 50 साल बाद सुर्खियों में है, जहां भारतीय जनता पार्टी उस वक्त केंद्र में सरकार चला रही कांग्रेस और तमिलनाडु की सत्ताधारी डीएमके पर हमलावर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस मामले में कांग्रेस और डीएमके पर देश की संप्रभूता के साथ समझौता करने का आरोप लगाया है। केंद्र सरकार द्वारा इस मुद्दे को इतनी जोर-शोर से उठाए जाने से सवाल उठ रहा है कि क्या श्रीलंका को सौंपा गया कच्चातिवु द्वीप भारत वापस लेगा? इस बारे में श्रीलंका के मंत्री से बात करने पर उन्होंने कहा कि भारत ने इस मुद्दे पर अभी तक कोई आधिकारिक संदेश नहीं भेजा है।

खबरों के मुताबिक श्रीलंकाई राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे के मंत्रिमंडल में तमिल मूल के मंत्री जीवन थोंडामन के हवाले से बताया गया है, 'जहां तक श्रीलंका का सवाल है, कच्चातिवु द्वीप श्रीलंकाई नियंत्रण रेखा के भीतर आता है। श्रीलंका के साथ नरेंद्र मोदी की विदेश नीति सजीव और स्वस्थ है। अभी तक भारत की ओर से कच्चातिवु द्वीप का नियंत्रण लौटाने के लिए कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। भारत की ओर से अभी तक ऐसा कोई अनुरोध नहीं आया है। अगर ऐसा कोई संदेश आता है, तो विदेश मंत्रालय उसका जवाब देगा।' इस सवाल पर एक अन्य श्रीलंकाई मंत्री से जब बात की गई तो कच्चातिवु द्वीप भारत को सौंपे जाने की किसी भी संभावना से इनकार किया। उन्होंने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि नई सरकार की इच्छा के अनुसार राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं बदला जा सकता है। श्रीलंकाई मंत्री ने कहा, ' कच्चातिवु को औपचारिक रूप से श्रीलंका की नियंत्रण रेखा के अंदर मान्यता दी गई थी। एक बार सीमा तय हो जाने के बाद, केवल सरकार बदलने के कारण कोई भी बदलाव की मांग नहीं कर सकताज कच्चातिवु श्रीलंकाई कैबिनेट में चर्चा का विषय नहीं रहा है; इस संबंध में भारत से कोई संचार नहीं हुआ है।'

दरअसल यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि एक दिन पहले ही सोमवार को बीजेपी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के। अन्नामलाई ने कहा कि केंद्र सरकार इस क्षेत्र को पुनः प्राप्त करने के लिए सभी संभव उपाय कर रही है। वहीं अन्नामलाई ने चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत में कहा था, 'गेंद अब केंद्र के पाले में है। हरसंभव समाधान पर विचार किया जाएगा। इस मामले में बीजेपी का एकमात्र उद्देश्य तमिल मछुआरों की सुरक्षा करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर इस मामले में काफी गंभीर हैं। इसे (कच्चातिवु) अवैध रूप से श्रीलंका को सौंप दिया गया था।' उधर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दावा किया कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 1974 में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया था और इसे 'छिपाकर' रखा था। जयशंकर ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह

दावा किया था। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार इस द्वीप को दोबारा हासिल करने की योजना बना रही है, तो उन्होंने सवाल को यह कहते हुए टाल दिया कि 'यह मामला न्यायाधीन है।'

जयशंकर ने दावा किया कि कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों ने कच्चातिवु द्वीप को लेकर उदासीनता दिखायी जैसे उन्हें कोई परवाह नहीं हो और भारतीय मछुआरों के अधिकारों को छोड़ दिया, जबकि कानूनी राय इसके खिलाफ थी। जयशंकर ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे प्रधानमंत्रियों ने कच्चातिवु को एक 'छोटा द्वीप' और 'छोटी चट्टान' बताया था। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा अचानक सामने नहीं आया है बल्कि यह हमेशा से एक जीवंत मुद्दा रहा है। कच्चातिवु द्वीप एक समुद्री सीमा समझौते के तहत 1974 में श्रीलंका को दे दिया गया था। जयशंकर ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि 1974 में श्रीलंका से 6,00,000 तमिलों की भारत वापसी दोनों देशों के बीच द्वीप समझौते के कारण संभव हुई थी।

संपादकीय

सियासी बहिष्कार

मालदीव के बाद बांग्लादेश में भी भारत के बहिष्कार का जो अभियान कुछ लोग चला रहे हैं, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। ऐसे लोगों को न तो अपने देश का इतिहास मालूम है और न भारत के योगदान का उन्हें कोई ज्ञान है। मालदीव के सत्ताधारी नेताओं और बांग्लादेश के कुछ विपक्षी नेताओं को अपनी स्वार्थपूर्ण राजनीति के अलावा कुछ भी नहीं सूझ रहा है। माले के बाद अब ढाका में भी भारत विरोध की राजनीति का गरम होना हमें सोचने पर बार-बार विवश करता है। विपक्षी बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) लंबे समय से नागरिकों को भारतीय उत्पादों का बहिष्कार करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। दरअसल, इस प्रमुख विपक्षी दल को लगता है कि भारत सत्तारूढ़ अवामी लीग का समर्थक है और अवामी लीग की जीत में भारत की बड़ी भूमिका है। यह दरअसल, बांग्लादेश के विपक्षी दल की एक बड़ी गलतफहमी है कि भारत सरकार बांग्लादेश में हस्तक्षेप कर रही है। हां, यह जरूर है कि बांग्लादेश की तरक्की में भारत ने यथासंभव सहयोग दिया है और ऐसे समय में बांग्लादेश में जो भी सरकार होगी, वह स्वाभाविक रूप से मजबूत होगी। बांग्लादेश के विपक्षी नेता शायद भूल गए हैं कि जब बांग्लादेश में सैन्य प्रभुत्व बढ़ा था, तब भी भारत ने वहां की राजनीति में हस्तक्षेप नहीं किया था। बहरहाल, बांग्लादेश की सरकार या प्रधानमंत्री ने भारत का बचाव किया है और विपक्षियों के दोहरे रवैये की निंदा की है। दरअसल, बांग्लादेश अगर चाहे भी, तो भारत का बहिष्कार नहीं कर सकता, क्योंकि वहां भारतीय उत्पादों की भरमार है। भारतीय उत्पादों का विरोध व्यावहारिक और सैद्धांतिक, दोनों ही रूपों में अनुचित है। फिर भी न जाने कैसा सियासी लाभ सोचते हुए बीएनपी के वरिष्ठ नेता कबीर रिजवी ने पिछले दिनों अपने कंधे पर पहना हुआ भारतीय शॉल उतार फेंका। भारतीय-कश्मीरी शॉल को फेंकने से पहले उन्होंने यह नहीं सोचा कि वह किस तरह की लड़ाई को बढ़ावा दे रहे हैं। 'हैशटैग इंडियाआउट' और 'बायकॉट इंडियन प्रोडक्ट्स' के नाम पर राजनीति सिवाय गंभीर गलती के और क्या है? विपक्ष के इस अभियान के जवाब में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने विपक्षी नेताओं को चुनौती दी है कि जिस दिन आप (बीएनपी) कार्यालय के सामने अपनी पत्नियों की तमाम भारतीय साड़ियों को जला देंगे, उस दिन मुझे विश्वास हो जाएगा कि आप वास्तव में भारतीय सामान का बहिष्कार कर रहे हैं। बेशक, भारतीय साड़ियों के प्रति बांग्लादेश में स्वाभाविक लगाव है, इससे बचा नहीं जा सकता, मगर बहिष्कार के लिए किसी को भी किसी तरह से उकसाना सही नहीं है। वहां सत्ता पक्ष व विपक्ष, दोनों को समझदारी का परिचय देना चाहिए, ताकि भारतीयों की भावना को किसी भी प्रकार से ठेस न पहुंचे। मालदीव के सत्ताधारी नेता हों या बांग्लादेश के विपक्षी नेता, दोनों को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखनी चाहिए, ताकि शालीनता के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके। किसी अन्य भारत विरोधी देश के इशारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। ऐसे में, वहां भारत कदापि राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नारा लगाते रहें और आपको भारत से उदार आर्थिक मदद भी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता नियमन का हो संतुलित मार्ग

दिनेश सी. शर्मा

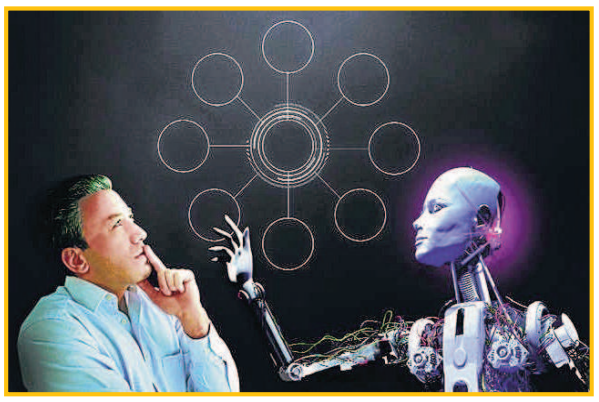

गूगल के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट जैमिनी को लेकर मचे हो-हल्ले ने इस तकनीक, इससे संबंधित नियामक तंत्र और सरकार की भूमिका को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर ध्यान खींचा है। एक व्यक्ति द्वारा इस चैटबॉट से प्रधानमंत्री और फासीवाद को लेकर पूछे सवाल का उत्तर शेयर करने के बाद सोशल मीडिया पर एआई टूल्स चर्चा का विषय बने हुए हैं। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने तुरत-फुरत कहा कि प्रधानमंत्री पर विशेष रूप से पूछे गए सवाल का जवाब पक्षपातपूर्ण है और यह आईटी कानून एवं अन्य कानूनों के मुताबिक गैर-कानूनी सामग्री को, माध्यम बने व्यक्तियों या प्लेटफार्म्स द्वारा शेयर करना, नियमों प्रावधानों का उल्लंघन है। मंत्री के इस उत्तर के बाद मंत्रालय का परामर्श प्रपत्र जारी हुआ, जिसमें कहा गया कि उपभोक्ता को अंडर-टेस्टिंग या गैर-भरोसेमंद एआई मॉडल्स एवं सॉफ्टवेयर मुहैया करवाने से पूर्व भारत सरकार से विशेष अनुमति लेना जरूरी होगा। भारत में एआई और अन्य नवीनतम तकनीकों को लेकर नियामक तंत्र और व्यवस्था की अनुपस्थिति में, पहले मंत्री की प्रतिक्रिया और फिर परामर्श प्रपत्र जारी करने वाले उपाय को अधिक से अधिक, समस्या बनने पर आनन-फानन में किया जुगाड़भर कहा जा सकता है। नई-नई तकनीक से बनने वाली नवीन स्थितियों से निपटने को लेकर सरकारों का इतिहास खराब रहा है। तकरीबन आधा सदी पहले तकनीक विकास महानिदेशालय बनाया गया था। इसने विदेशी तकनीक की आमद पर एक अति शंकालु चौकीदार की भूमिका निभाई। यह विभाग 1960 के दशक में अमेरिकी कॉर्पोरेशनों द्वारा भारत में इलेक्ट्रॉनिकी का उत्पादन शुरू करने संबंधी अनुमतियों को खारिज करने के लिए उत्तरदायी है। जब 1980 के दशक में टेक्सास इंस्ट्रूमेंट नामक कंपनी ने बेंगलोर से सैटेलाइट्स के जरिए सॉफ्टवेयर निर्यात करना शुरू किया (उस वक्त यह एकदम नई चीज़ थी) तब भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने कहा कि जो कुछ भी भेजा जाए, उसका प्रिंटआउट जमा करवाया जाए, इस आधार पर कि कहीं राष्ट्र से संबंधित गुप्त सूचनाएं तो नहीं प्रेषित हो रही। प्रत्युत्तर में जो मिला, वह था 0 और 1 के रूप में बाइनरी इबारत से भरे कागजों का इतना बड़ा ढेर, जिससे कमरा भर जाए! वर्ष 1990 के दशक में, उद्योग मंत्रालय के एक बाबू ने वैक्सीन बनाने वाली एक कंपनी द्वारा लाइसेंस की अर्जी भारी उद्योग इंजीनियरिंग विभाग को विचारार्थ हस्तांतरित कर दी, क्योंकि उत्पादन विधि में 'जेनेरिक इंजीनियरिंग' प्रयुक्त किए जाने का जिक्र था! हमारी बाबूशाही की कार्यशैली को देखते हुए, कोई भी समझ सकता है कि गूगल, मेटा, एप्पल या ओपन एआई का भविष्य क्या होगा, जब वे अनुमति पाने में अपने एआई एलोरिदम का प्रिंटआउट आईटी मंत्रालय में बैठे बाबुओं को सौंपेंगे। एआई को लेकर एकतरफा चलताऊ नीतिगत परामर्श प्रपत्र जारी करने की बजाय, नीतियां और नियामक धाराएं बनाने के विमर्श में, तमाम संबंधित पक्षों को शामिल करना जरूरी है। एआई पर विचार अब तक सिर्फ इसके बदलते स्वरूप या सामर्थ्य या नवोन्मेष एवं स्टार्टअप्स की तरक्की तक सीमित रहा है। उधर कंपनियां जितनी जल्दी हो सके, बाजार में नए-नए फीचर उतारना या फिर मौजूदा उत्पाद में नए फीचर डालना चाहती हैं। यदि उपभोक्ता को ऐसा मोबाइल फोन मिले, जिसमें इमेज रिकॉग्निशन सॉफ्टवेयर हो, तो जाहिर वह सेवा संबंधी शर्तों को पढ़ने की जहमत उठाए बिना इस्तेमाल करने को उतावला रहेगा। तकनीक ईजाद करने वाली कंपनियों को शिकायत है कि अतिशयी नियामक नियंत्रण उनके नवोन्मेष पर बुरा असर डालेगा। हालांकि जैमिनी वाले विवाद के बाद, संबंधित मंत्री ने साफ किया कि एआई पर जारी परामर्श नए स्टार्टअप्स पर लागू नहीं होगा।एआई और विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता के मद्देनज़र, इस किस्म का चलताऊ रास्ता लेना, व्यापक सवालों को दरकिनार करता है। सवाल है, क्या हमें ऐसी एप्लिकेशंस (सॉफ्टवेयर) की जरूरत है जिसका इस्तेमाल करना ही पड़े या फिर जरूरत महसूस हो (कुछ विशेषज्ञ इसको मनुष्य-केंद्रित एआई का नाम देते हैं) या फिर वैसी एप्लिकेशंस विकसित करने की आवश्यकता है, जो हमारे व्यवहार में बदलाव करती हो या मानवीय एवं सामाजिक नियमों को भंग करती हों? डर है कि यदि एआई टूल्स का डिज़ाइन अंतिम छोर के उपभोक्ता के संदर्भों को सोच में रखे बगैर किया जाता है, तो कदाचित यह विकास क्रिया उपभोक्ताओं को लेकर बनी त्रुटिपूर्ण सोच अथवा पक्षपाती अनुमानों पर आधारित होगी। नियामक तंत्र बनाने का विचार करते वक्त नैतिकता, सामाजिकता, निजता और पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। लोगों में एआई तकनीक पर यथेष्ट समझ बने बिना और बगैर गहराई में उतरे, अनेकानेक क्षेत्रों में इसको तेजी से अपनाया जा रहा है। यहां तक कि सरकारी एजेंसियां भी निजता, पारदर्शिता और लोगों के मूल अधिकारों को ताक पर रखकर एआई तकनीकें अपना रही हैं। उदाहरणार्थ किसान आंदोलन में निगरानी के लिए ड्रोन और फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक का इस्तेमाल करना।तकनीक और नियामक तंत्र के बीच दौड़ में, साथ के साथ सुधार करने की नियामक तंत्र की गति अक्सर धीमी पाई जाती है। विश्वभर में सरकारें और नियामक संस्थान एआई की चाल से कदमताल बनाए रखने को हाथ-पैर मार रहे हैं। अमेरिका में, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एआई बाबत कार्यकारी आदेश जारी किया है, जिसमें ध्यान सुरक्षा, निजता और पक्षपात इत्यादि विषयों पर केंद्रित है। जोखिमों का प्रबंधन करने में यह आदेश पहले की अपेक्षा अधिक पारदर्शिता और टेस्टिंग, टूल्स का मानकों पर खरा उतरने की अनिवार्यता पर जोर देता है। इसमें नई तकनीक जारी करने से पहले सघन परीक्षण करने की सलाह है ताकि दुरुपयोग करने वालों के लिए किन्हीं खामियों या सुरक्षा संबंधी चूकों का दोहन करने की गुंजाइश न रहे। वह एआई मॉडल्स, जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा बन सकता है, उनके निरापदता संबंधी परीक्षणों का परिणाम सरकार के साथ साझा करना होगा। यूरोपियन यूनियन के एआई एक्ट में, जोखिम के स्तर के मुताबिक विभिन्न नियम रखे गए हैं। उच्च-जोखिम वर्ग में वे एआई एप्लिकेशंस हैं, जिनसे सुरक्षा या मूल अधिकारों पर नकारात्मक असर पड़ता हो। अस्वीकार्य जोखिम में वे आते हैं जिन्हें खतरनाक माना जाए और इनको किसी भी सूरत में अनुमति नहीं मिलेगी। इस वर्ग में, लोगों के बोध-व्यवहार को बदलने वाली या विशेष जोखिमज़दा समूह, सामाजिक गिनती (आचार-व्यवहार अथवा आर्थिक सामर्थ्य इत्यादि पर) आधारित बायोमीट्रिक पहचान और नागरिकों का वर्गीकरण करना, वास्तविक समय में या फिर दूर बैठकर बायोमीट्रिक प्रणाली जैसे कि फेशियल रिकॉग्निशन इत्यादि एआई एप्लिकेशंस का उपयोग शामिल हैं। मौजूदा लोकप्रिय सामान्य उपयोग की और जेनेरिटिव एप्लिकेशंस जैसे कि चैटजीपीटी को भी पारदर्शिता आवश्यकताओं पर खरा उतरना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि इनसे गैर-कानूनी सामग्री और कॉपीराइट प्राप्त डाटा प्रकाशित न होने पाए। सीमित जोखिम वर्ग की एआई एप्लिकेशंस को भी अपेक्षाकृत नरम, किंतु पारदर्शी नियमों का पालन करना होगा। एआई को लेकर भारत को तीन चीजें करने की जरूरत है। प्रथम, एक चुस्त नीति और नियामक तंत्र की स्थापना, जिसका ध्यान न केवल सामर्थ्य बल्कि जोखिमों पर भी केंद्रित हो। इसके लिए सभी संबंधित पक्ष, मसलन, तकनीक ईजाद करने वाली कंपनियां, समाज शास्त्री, सिविल सोसायटी, उपभोक्ता और नीति-नियंताओं की सलाह को खुले और पारदर्शी ढंग से शामिल किया जाना जरूरी है। यह तंत्र सुरक्षा, पारदर्शिता और न्यायप्रियता जैसे सुस्पष्ट परिभाषित दिशा-निर्देशक सिद्धांतों पर आधारित हो। द्वितीय, इन दिशा-निर्देशक सिद्धांतों पर टिकी त्वरित, लचीली और स्व-आधुनिकीकृत करने वाली नियामक व्यवस्था बने। तृतीय, आवश्यक प्रशासनिक एवं नियामक सामर्थ्य का निर्माण, जो नित नई आने वाली तकनीकों को सहजता से बरत सके। यह वक्त है एआई से अर्थपूर्ण तरीके से पेश आने का, न कि खारिज करने का।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के विशेषज्ञ हैं।

मंडी में कंगना की दावेदारी के किंतु-परंतु

लोकसभा चुनाव/ राजेंद्र राजन

लोकसभा हो या विधानसभा, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता को बैसाखी बनाकर चुनाव जीतने की परम्परा नयी नहीं है। राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा, गोविन्दा से लेकर हेमा मालिनी जैसे नामचीन फिल्मी कलाकारों की लम्बी फेहरिस्त है जिन्हें राजनीतिक दलों ने सिर-आंखों पर बिठाया। कुछ जीते तो कुछ हारे। मतदाताओं को रिझाने, फिल्मी हस्तियों से उनके भावनात्मक जुड़ाव को भुनाने को सभी राजनीतिक दल तत्पर रहते हैं। अपनी पार्टी को विजयी बनाने, सत्ता हासिल करने की जंग में उम्मीदवार का अनुभव, योग्यता, जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता खास मायने नहीं रखते। बहरहाल, जिस फिल्म अभिनेत्री की इन दिनों हिमाचल और देशभर में चर्चा है, वे हैं कंगना रणौत। जिन्हें भाजपा ने मंडी से लोकसभा चुनाव के लिये उम्मीदवारी सौंपी है। लम्बे वक्त से विवादों और कंगना का गहरा नाता रहा है। वे निश्चित रूप से एक कामयाब एक्ट्रेस हैं। अपने अभिनय के जरिये करोड़ों सिने प्रेमियों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन अनेक नेताओं की तरह कई बार बोलने में अतिरेक की प्रवृत्ति रही है। वे अपने उस बयान को लेकर ट्रोल भी हुई थीं जिसमें उन्होंने कहा था कि 2014 के बाद ही देश का सही मायने में विकास हुआ है। अकसर नेताओं द्वारा सियासी फायदे यानी चुनावी टिकट हासिल करने के लिये ऐसी बयानबाजी होती रही है। विगत में कंगना रणौत जब पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से भिड़ गयीं तो उनके पक्ष या विपक्ष में देशभर में जन आंदोलन छिड़ गये थे। उन्हें मोदी सरकार ने सुरक्षा प्रदान की। यह नैरेटिव उन्हीं दिनों रचा जा चुका था जब वे दक्षिणपंथी विचारधारा को आत्मसात करने की तैयारी कर रही थीं। अपने सियासी 'प्रबन्धन' में उन्हें एक तरह से सफल ही कहा जा सकता है। हालिया प्रकरण है, टिकट घोषणा के पहले ही रोज़ कंगना का कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत से विवाद हो गया। दरअसल, अभद्र भाषा के प्रयोग में विपक्षी दलों के कुछ नेता भी पीछे नहीं हैं। इसका ज्वलन्त उदाहरण कंगना पर की गयी वह टिप्पणी है जिसमें मंडी का भाव पूछा गया था। चुनाव आयोग लाख दावे करे, लेकिन वह नेताओं के तीखे, आपत्तिजनक बयानों का कड़ा संज्ञान लेने में प्रो एक्टिव मोड में नहीं माना जा सकता है। लोकसभा चुनाव जीतने की रणनीति की पृष्ठभूमि में भाजपा की निगाह महिला मतदाताओं पर खासतौर पर टिकी है क्योंकि वह 400 का आंकड़ा पार करने के लिए अपनी कमान में मौजूद सभी तीरों का प्रयोग कर लेना चाहती है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की मौजूदगी काफी उत्साहवर्धक थी। विगत 5 सालों में सम्पन्न 23 राज्यों के विधानसभा चुनावों में से 18 में महिला मतदाता पुरुषों से आगे थीं। कांग्रेस या विपक्षी दल इस लोकसभा चुनाव में महिलाओं को टिकट देने में संकीर्णता की शिकार हैं तो इस मामले में भाजपा की दरियादिली कही जा सकती है। कंगना रणौत का चयन भी इसी रणनीति का हिस्सा है। अपने तेवरों के लिये वे चर्चित रही है। अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत कंगना ने 18 साल की उम्र में 'गैंगस्टर' से की थी। रानी झांसी का किरदार 'मणिकर्णिका' में अभिनीत किया तो जयललिता की बायोपिक में भी सराही गयीं। 'एमरजेंसी' फिल्म में वे इंदिरा गांधी की भूमिका में नज़र आयेंगी। लब्बोलुआब यह कि सशक्त महिला प्रधान फिल्मों में वे जिन जननायिकाओं की भूमिकाओं में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं, उनकी बदौलत वे मंडी सीट पर आम लोगों से खुद को जुड़ा हुआ देखना चाहती हैं। पर यह कांटों भरी डगर है। सिनेमा और राजनीति की कोई जुगलबन्दी नहीं है। दरअसल, हिमाचल में कांग्रेस सरकार व पार्टी में जारी उठापठक के चलते कंगना अपनी सफलता को लेकर उम्मीद जता रही हैं। जिसकी बानगी उनके मुकाबले उतरी कांग्रेसी प्रत्याशी की बेमन से चुनाव लड़ने की कवायद में नजर आती है। बहरहाल, जन आकांक्षाओं, जन अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिये कंगना को एक 'मैच्योर' राजनेता की छवि को अर्जित करना होगा। एक चैनल को दिये गये साक्षात्कार में कंगना ने कहा है कि तत्कालीन कुछ नेताओं ने सुभाष चंद्र बोस को 1945 में गायब करवा दिया था। यह भी कि आईएनए के फौजियों व स्वतन्त्रता सेनानियों को भूखे रहकर जान गंवानी पड़ी थी। दरअसल, बयान देने से पहले किसी भी नेता के पास अच्छे सलाहकार होने जरूरी हैं। इतिहास के तथ्यों को कभी बदला नहीं जा सकता। यह प्रश्न भी विचारणीय है कि फिल्मों से जितने भी सितारे राजनीति में जीतकर संसद में पहुंचे हैं उनकी विकास करने व जनसमस्याओं के निवारण में कैसी भूमिका रही है। संसद में उन्होंने क्या-क्या मुद्दे उठाए? विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में ज्यादातर का योगदान खास तो नहीं रहा है। कंगना की दावेदारी को लेकर सार्वजनिक विमर्श में विपक्षी दल सवाल उठाते रहे हैं कि यदि कंगना लोकसभा सीट पर चुनाव जीतती भी हैं तो क्या वे मंडी का जनप्रतिनिधि होने के दायित्व को निभा पाएंगी? वे स्थानीय जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय कहीं मायानगरी के सम्मोहन में बंधकर तो नहीं रह जाएंगी?

विचार मंथन

गरीबों से सबसे ज्यादा टैक्स वसूली जीएसटी से

(लेखक-सनत जैन)

केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा पुरानी विक्रय कर व्यवस्था को समाप्त कर, वर्ष 2017 से जीएसटी वस्तु एवं सेवा कर के रूप में टैक्स की जो नई व्यवस्था शुरू की है। उसमें सबसे ज्यादा टैक्स गरीबों को देना पड़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में जब यह टैक्स शुरू हुआ था। उस वित्तीय वर्ष में 7.9 लाख करोड़ रुपए जीएसटी से केंद्र एवं राज्य सरकारों को मिले थे। उसके बाद से दायरा निरंतर बढ़ता चला गया। वस्तुओं पर टैक्स के अलावा सेवाओं को जीएसटी के दायरे में लाकर बहुत सारी चीजों को शामिल किया गया। जिसके कारण जीएसटी का कलेक्शन साल दर साल बढ़ता रहा। वस्तुओं की खरीदी के साथ-साथ अब हर किस्म की सेवा में भी जीएसटी का भुगतान गरीब और अमीर सभी को करना पड़ रहा है। जिन सेवाओं पर कभी कोई टैक्स नहीं लगता था, उन सभी को टैक्स के दायरे में लाया गया है। टैक्स की दरें भी बहुत ज्यादा होने के कारण, जीएसटी का बोझ आम आदमी पर बढ़ता ही जा रहा है। सरकार की प्रतिमाह जीएसटी की कमाई लगातार बढ़ रही है। यह टैक्स जनता से ही वसूल किया जा रहा है। 2017-18 में जीएसटी से 7.19 लाख करोड़, 2018-19 में 11.77 लाख करोड़, 2019-20 में 12.22 लाख करोड़, 2020-21 में 11.36 लाख करोड़, इस वित्तीय वर्ष में कोविड के कारण लंबे समय तक लॉकडाउन लगा रहा। 2021-22 में 14.76 लाख करोड़ रुपए की आय सरकार को हुई। उसके बाद केंद्र एवं राज्य सरकारों ने जीएसटी के दायरे में अन्य वस्तुओं और सेवाओं को शामिल किया। इस कारण 2022-23 और 2023-24 में जीएसटी की आय बड़ी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हुई। वर्ष 2023 के मुकाबले में वर्ष 2024 में जीएसटी के कलेक्शन में 22 से 23 फ़ीसदी तक की वृद्धि देखी जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा जो राज्यवार आंकड़े जारी किए गए हैं, उसमें कर्नाटक राज्य से 26 फ़ीसदी, हरियाणा में 23 फ़ीसदी, महाराष्ट्र में 22 फ़ीसदी, पंजाब राज्य में 20 फ़ीसदी, उत्तर प्रदेश में 19 फ़ीसदी, मध्य प्रदेश में 19 फ़ीसदी, गुजरात में 15 फ़ीसदी, राजस्थान में 15 फ़ीसदी तथा बिहार राज्य में 14 फ़ीसदी की दर से टैक्स कलेक्शन में वृद्धि हुई है। वर्ष 2023-24 के मार्च महीने में जीएसटी कलेक्शन 11.5 फ़ीसदी बढ़कर 1.78 लाख करोड रुपए का हो गया है। जो अभी तक का सर्वाधिक जीएसटी कलेक्शन है। यह टैक्स आम जनता से प्रत्यक्ष कर के रूप में वसूल किया जा रहा है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने ऐसी कोई वस्तु अथवा सेवा को नहीं छोड़ा है, जो जीएसटी के दायरे में नहीं आती हो। उन्हीं चीजों को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है, जिसमें बहुत कम राजस्व की प्राप्ति होती है। भारत के गरीब हों या मध्यम वर्ग हो, किसान हों यह पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं हों। सभी को 12 फ़ीसदी से लेकर 28 फ़ीसदी तक का टैक्स देना पड़ रहा है। लोगों की क्रय क्षमता लगातार घटती चली जा रही है। भारत में सबसे ज्यादा टैक्स गरीबों से वसूल किया जा रहा है। गरीब जितनी भी कमाई करता है, वह पूरी खर्च कर देता है। गरीब के परिवार में दो से तीन लोग काम करते हैं। महीने में 20 से 30000 रूपये किसी भी तरीके से परिवार के सभी सदस्य मिलकर कमाते हैं। जो पैसा उनके हाथ में आता है वह सारा खर्च कर देते हैं। वही सबसे ज्यादा जीएसटी का टैक्स भर रहे हैं। भारत में गरीबों की आबादी सबसे ज्यादा है। कांग्रेस पार्टी इसे गब्बर सिंह टैक्स भी कहती है। जीएसटी का आतंक गरीब और मिडिल क्लास सबसे ज्यादा झेल रहा है। गरीब अपना पैसा शराब, बिड़ी, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और पेट्रोल में सबसे ज्यादा खर्च करता है। इनमें सबसे ज्यादा टैक्स देना होता है। पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है, लेकिन अन्य वस्तुएं जीएसटी के दायरे में हैं। सरकार एक गरीब परिवार से 3000 रूपये से लेकर 9000 रूपये तक का टैक्स वसूल करती है। बदले में गरीब परिवार को 2 से 3000 रूपये की आर्थिक सहायता प्रतिमाह केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा दी जा रही है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबों से प्रत्यक्ष रूप से कभी भी इतना भारी टैक्स नहीं वसूल किया गया, जो जीएसटी के रूप में वसूल किया जा रहा है। गरीबों की 80 करोड़ से ज्यादा की आबादी है। वही सबसे ज्यादा टैक्स अदा कर रहे हैं। सरकार गरीबों को आर्थिक सहायता देकर यह संदेश देती है, कि सरकार उनके लिए पैसा खर्च कर रही है। गरीबों के वोट पाने के लिए इस तरह का संदेश दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है, कि गरीबों से पिछले 6 वर्षों में सबसे ज्यादा टैक्स केंद्र एवं राज्य सरकारों ने जीएसटी के रूप में वसूल किया है।

मध्यम वर्ग यह मानकर चलता है, कि जो टैक्स वह अदा कर रहे हैं, उससे गरीबों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। लेकिन यह अब सच नहीं रहा।

अर्ध-चिकित्सा व इससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में बनाएं कैरियर

रोग के निदान और इलाज में अर्द्ध-चिकित्सा विज्ञान या संबर्द्ध स्वास्थ्य विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रोग निदान से संबंधित औजार जैसे कि सूक्ष्मदर्शी यंत्रा, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, इंडोस्कोप, सीटी, एमआर, गामा कैमरा तथा अन्य इन्वेसिव या नॉन-इन्वेसिव पद्धतियाँ और तकनीकी प्रकार की थेरेपियां जैसे कि पिफजियोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, श्वासयि थेरेपी, स्पीच थेरेपी आदि अर्ध-चिकित्सा प्रणाली का हिस्सा हैं। आयुर्विज्ञान और संश्लिष्ट चिकित्सा उपकरणों के विकास के साथ-साथ प्रशिक्षित और सुयोग्य अर्द्ध- चिकित्सकीय मानवशक्ति की मांग भी बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्ल्यू.एच.ओ. की सिफारिशों के अनुसार चिकित्सक-जनसंख्या का अनुपात १:१००० होना चाहिए। एक चिकित्सक को न्यूनतम ८ सहायक स्वास्थ्य कार्मिकों की आवश्यकता होती है। इसका अर्थ हुआ कि भारत को १२ लाख से अधिक चिकित्सकों और करीब ९६ लाख सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता है। वर्तमान में हमारे पास केवल ४ लाख चिकित्सक हैं। सहयोगी कार्मिकों की संख्या भी अपर्याप्त है। हेल्थकेअर विज्ञान एक व्यापक और विविधताओं से भरा क्षेत्रा है। चिकित्सा के क्षेत्रा में प्रौद्योगिकी के बढ़ते इस्तेमाल के परिणाम-स्वरूप इस क्षेत्रों में बड़ी संख्या में विशेषज्ञता, उप-विशेषज्ञता तथा सुपर विशेषज्ञता क्षेत्रों का विकास हुआ है। पहले से ही समाज नर्सों, फर्मासिस्टों तथा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकीविदों की भूमिका और महत्व से परिचित है। इसके अलावा अर्ध-चिकित्सा क्षेत्रा और संबध क्षेत्रा में ५० से अधिक विशेषज्ञता क्षेत्रा हैं जो पूर्णतः रोजगारोन्मुख हैं तथा इनमें रोजागार की जबरदस्त संभावनाएं हैं। इस बारे में कोई भी फैसला लेने से पूर्व अर्ध-चिकित्सा विज्ञान की विशिष्ट व्यावसायिक भूमिका तथा आवश्यकताओं की जानकारी होना बहुत महत्वपूर्ण है। क्षेत्रों में निम्नलिखित प्रमुख आधुनिक विशेषज्ञता क्षेत्र हैं-

1. **मेडिकल ट्रांसप्शिन-** मेडिकल ट्रांसप्शिनिस्ट को चिकित्सकों और अन्य विशेषज्ञों द्व ारा लिखवाए गए चिकित्सा रिकार्ड को उसकी विषय-वस्तु से छेड़छाड़ किए बगैर ट्रांसाइब करना होता है। इसके लिए वे टेप, डिजिटल प्रणाली या वॉयस-मेल से डिक्टेशन प्राप्त करते हैं। लिखवाई गई रिपोर्टों को समझने तथा पाठक के लिए स्पष्ट और व्यापक रूप में सही तरह ट्रांसाइब करने के लिए मेडिकल ट्रांसप्शिनिस्ट को चिकित्सा शब्दावली, शरीर-विज्ञान, निदान प्रयि तथा औषध-विज्ञान और इलाज मूल्यांकन की अच्छी समझ होनी चाहिए। उनमें चिकित्सा से संबंध्ति विशिष्ट शब्दावली और संक्षिप्ताक्षरों को विस्तारित रूप में अनूदित करने की भी योग्यता होनी चाहिए। साथ ही आप में अच्छा श्रवण कौशल और भाषा कौशल, कम्प्यूटर कौशल के साथ-साथ कार्य को सम्पन्न करने के लिए सहनशीलता भी होनी चाहिए। यदि वे कार्य की हार्ड प्रति तैयार करने तथा रिकार्ड का रखरखाव करने संबंधी कार्य करते हैं तो उन्हें चिकित्सा रिकार्ड अधिकारी के रूप में जाना जाएगा।

एक अनुभवी मेडिकल ट्रांसप्शिनिस्ट को अस्पतालों, चिकित्सा पुस्तकालयों, ट्रांसप्शिन सेवा केंद्रों, सरकारी सुविध केंद्रों आदि में रोजगार प्राप्त हो सकता है। वे अपने घर पर भी ट्रांसप्शिन कार्य कर सकते हैं। वे स्वास्थ्य सूचना प्रशासकों के पद के लिए भी पात्रा होंगे। मेडिकल ट्रांसप्शिन में कॅरिअर शुरू करने के लिए आप ट्रांसप्शिन प्रौद्योगिकी, मेडिकल रिकार्ड प्रौद्योगिकी, चिकित्सा प्रलेखीकरण, स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी में से कोई भी कोर्स कर सकते हैं। ये पाठ्यम डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर स्तर पर उपलब्ध् हैं।

2. **स्वास्थ्य निरीक्षक** - जन स्वास्थ्य निरीक्षक जन स्वास्थ्य टीम और कार्यान्वयन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग होता है।

स्वास्थ्य निरीक्षक की भूमिका में बीमारियों को पफैलने से रोकना, शिक्षा, परामर्श, निरीक्षण और निगरानी तकनीकों के जरिए स्वास्थ्य को प्रोत्साहन और पर्यावरण में सुधर करना है। इससे जुड़े सुरुचिपूर्ण क्षेत्रों में शामिल हैं -खाद्य स्वास्थ्य विज्ञान, कीट और कृन्तक नियंत्राण, संचारी रोग जांच, सार्वजनिक आवास, सामुदायिक देखभाल सुविधएं, सार्वजनिक मनोरंजक सुविधएं, जलापूर्ति और कचड़ा निपटान प्रणाली, ऑक्यूपेशनल हेल्थ एवं सुरक्षा और पर्यावरण प्रदुषण-वायु, ध्वनि, मृदा तथा जल। उन्हें जन स्वास्थ्य की सुरक्षा और उसमें सुधर के वास्ते व्यापक योजनाओं के विकास में नेतृत्व तथा तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करनी चाहिए. जन-स्वास्थ्य निरीक्षक के रूप में आपका यह दायित्व है कि आप स्वास्थ्य से जुड़े कानूनों को लागू करते हुए सुविधओं की निगरानी के साथ पर्यावरण और स्वास्थ्य की रक्षा करें। स्वास्थ्य निरीक्षक विषय से जुड़े पाठ्यम डिप्लोमा स्तर पर उपलब्ध् हैं। छात्रा डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर स्तरों पर जन स्वास्थ्य प्रशासन एवं प्रबंध्न में भी कोर्स कर सकते हैं।

3. बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग -बायो-मेडिकल इंजीनियर के रूप में आप चिकित्सा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं के हल के लिए इंजीनियरी सिद्धांतों का प्रयोग करेंगे। बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग या बायो-मेडिकल इंस्ट्रन्नमेंटेशन टेक्नोलॉजी अंतर-विषयक क्षेत्रा हैं। इसके अंतर्गत भौतिक, रासायनिक, गणितीय, अभिकलनीय और इंजीनियरी विज्ञान क्षेत्रा आते हैं। इससे जीवविज्ञान चिकित्सा, व्यवहार, मनोविज्ञान आदि की संक्षिप्त रूप में समझ प्राप्त होती है। आपको कृत्रिम हृदय, डायलिसिस मशीन, सर्जिकल लेजर आदि चिकित्सा उपकरण तैयार करने के वास्ते जीवन विज्ञान से जुड़े वैज्ञानिकों, कैमिस्ट और चिकित्सा व्यावसायिकों के साथ जुड़कर बड़ी संख्या में अनुसंधन कार्य करने हेंगे। बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग से आधुनिक प्रयोगशाला और क्लीनिकल प्रयिओं का मार्ग प्रशस्त होता है। बायो-मेडिकल इंस्ट्रन्नमेंटेशन, बायोमैकेनिक्स, बायोमैटीरियल्स, इमेजिंग, क्लीनिकल इंजीनियरिंग और पुनर्वास इंजीनियरिंग आदि कुछेक सु-व्यवस्थित विशेषज्ञता क्षेत्रा हैं। बायो मेडिकल इंजीनियर के रूप में कार्य करने के लिए आपके पास इसमें डिग्री या स्नातकोत्तर डिप्लोमा होना चाहिए। इस विषय क्षेत्रा में डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

4. **स्पीच थेरेपी :** स्पीच थेरेपिस्ट के रूप में आपकी मुख्य भूमिका है श्रव्य विकलांगता से ग्रस्त रोगियों के पुनर्वास से जुड़े कार्यमों में शामिल होना। स्पीच थेरेपिस्ट को आडियोलॉजिस्ट के रूप में भी जाना जाता है। ऑडियोलॉजिस्ट एक ऐसा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर होता है जिसे श्रवण शक्ति की हानि तथा संब(कमियों का मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है तथा वह श्रव्य विकलांगता से ग्रस्त व्यक्तियों को परामर्शी सेवाएं भी प्रदान करता है। इससे संबंध्ति रोजगार अस्पतालों, नर्सिंग-होमों, स्कूलों तथा विश्वविद्यालयों, पुनर्वास केंद्रों, अनुसंधन प्रयोगशालाओं आदि में उपलब्ध् हैं। औद्योगिक क्षेत्रा में भी काफी अच्छे अवसर हैं। इस क्षेत्रों में डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर पाठ्यम उपलब्ध् हैं। आप कर्णावर्त रोपण, श्रव्य सहायता, शैक्षणिक ऑडियोलॉजी, स्पीच एवं लेंग्वेज पैथोलॉजी आदि में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। आपको यह अवश्य सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चयनित पाठ्यम और संस्थान भारतीय पुनर्वास परिषद ; आरसी आईद्ध से स्वीकृत हों।

5. **ऑक्यूपेशनॅल थेरेपी :** ऑक्यूपेशनल थेरेपी मानसिक या शारीरिक अशक्तता से ग्रस्त व्यक्तियों की सहायता पर केंद्रित होती है। एक ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट के रूप में आपको लोगों की अपने दैनिक जीवन के कार्यों के लिए सक्षमता में सुधर हेतु मदद करनी होती है। आपको ऐसे लोगों की सहायता करनी होगी जो मानसिक, शारीरिक या भावात्मक रूप से अशक्त हैं। ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट न केवल अपने ग्राहकों के बुनियादी गतिविषयक कार्यों में सहायता करता है बल्कि उसके स्थाई रूप से हुए नुकसान की प्रतिपूर्ति के लिए भी कार्य करता है। परम्परागत चिकित्सा और फिटनेस क्षेत्रों में ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्टों की व्यापक मांग है। इस व्यवसाय में प्रशिक्षण के लिए आपके वास्ते डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

6. **डायलिसिस प्रौद्योगिकी :** डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् के रूप में कार्य करते समय आपकी बहुविध् प्रकार की भूमिका हो जाती है। डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् के रूप में आप हिमोडायलिसिस के तत्वों, शरीर के तरल पदार्थों की कैमिस्ट्री, मानव शरीर में पानी संतुलन, गुर्दे की संरचना और शरीर विज्ञान, हिमोडायलिसिस उपकरणों, इन्फ्रयूजन नियंत्राण तथा मानक एहतियात आदि के बारे में सीखना होगा। उन्हें डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् और डायलिसिस थेरेपिस्ट के रूप में नियुक्त किया जाएगा. उन्हें डायलिसिस उपकरण निर्माण क्षेत्रा में भी रोजगार प्राप्त हो सकता है। डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् बनने के लिए आपने गणित, जीवविज्ञान अंग्रेजी विषयों के साथ जमा दो परीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा एक कुशल डायलिसिस प्रौद्योगिकीविद् बनने के वास्ते आपको संबंधित विषय में डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर डिप्लोमा या स्नातकोत्तर डिग्री हासिल करनी होगी।

7. **श्वास थेरेपी :** श्वास थेरेपिस्ट के रूप में आप श्वास की समस्या से पीड़ित रोगियों का मूल्यांकन और इलाज करते हैं। आप रोगियों के पफेपफड़ों की क्षमता की जांच करते हैं तथा ऑक्सीजन और कार्बन डाई-ऑक्साइड के संकेंद्रण का विश्लेषण करते हैं। आप हाइड्रोजन के लिए रोगी की क्षमता की जांच भी करते हैं जिससे रक्त में अम्लता या क्षारीयता का स्तर इंगित होता है। कई बार उन्हें पोलिसोम्नोग्राफिक प्रौद्योगिकिविद के रूप में रोजगार प्राप्त होता है। ऐसे में प्रौद्योगिकीविद नींद से संबंध्ति अध्ययन तथा निगरानी आदि का कार्य करते हैं और वे खर्राटे की शिकायत वाले लोगों का इलाज करते हैं। श्वास थेरेपिस्ट स्वास्थ्य देखभाल टीम का अभिन्न अंग है जो कि वेंटिलेटर प्रबंधन कार्डियोपॅल्मनरी पुनरुजीवन और ऑक्सीजन तथा एरोसोल थेरेपी जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं। श्वास थेरेपिस्ट के रूप में वे उच्च जोखिम जन्म में सहयोग करने वाली टीम के एक भाग के तौर पर भी कार्य करते हैं। इस व्यवसाय में रोजगार की भरमार है तथा डिप्लोमा, डिग्री, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिग्रियां उपलब्ध् हैं।

8 **मेडिकल डोजिमीटरी-** मेडिकल डोजिमिट्रिस्ट विकिरण ऑन्कोलॉजी टीम का प्रमुख सदस्य होता है। वे इलाज क्षेत्रा तकनीक को निर्धरित करने के लिए इलाज की योजनाएं तैयार करते हैं जिससे निर्धरित विकिरण खुराक एकदम सही प्रकार से प्रदान की जा सके। डोजिमिट्रिस्ट को विकिरण ऑन्कोलॉजी तथा चिकित्सा भौतिकी की अच्छी समझ होनी चाहिए ताकि कम्प्यूटरीकृत इलाज योजना तैयार की जा सके और योजना की मंजूरी हेतु इसे विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट को प्रेषित किया जा सके तथा विकिरण थेरेपिस्ट द्व ारा इसका कार्यान्वयन किया जा सके। वे थेरेपी उपकरण के गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण करने में सक्षम होते हैं। उन्हें विकिरण सुरक्षा का कार्यसाधक ज्ञान और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड के नियमों तथा विनियमों की जानकारी होनी चाहिए। भारत में मेडिकल डोजिमिट्रिस्ट के रूप में कार्य करने के वास्ते लोग विकिरण भौतिक शास्त्रों के साथ -साथ चिकित्सा भौतिक शास्त्रों का अध्ययन कर सकते हैं। यह स्नातकोत्तर डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिग्री और स्नातकोत्तर के उपरांत उन्नत डिप्लोमा के रूप में उपलब्ध् है।

9 **आप्लावन प्रौद्योगिकी** - हृदय के खुले ऑपरेशन के दौरान कार्डियोपल्मॅनरी बाईपास ;हृदय पफेपफड़ाद्ध मशीन रोगी के हृदय और पफेपफड़ों के कार्य करते हुए रोगी के जीवन को बरकरार रखती हैं। अप्लावन प्रौद्योगिकीविद ऑपरेशन कक्ष में प्रयोग होने वाली हृदय फेफड़ा मशीन और अन्य अत्याधुनिक उपकरणों की स्थापना और संचालन का कार्य करते हैं। इसके अलावा वे सर्जन और एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के निर्देशानुसार रोगी के ऑक्सीजन और कार्बन डाई-ऑक्साइड स्तर का नियमन करते हैं। इन कार्यों को सम्पन्न करने के लिए उन्हें शरीर की परिसंचारी व्यवस्था की पूर्ण समझ होनी चाहिए तथा गंभीर उपकरणों के संचालन की सक्षमता होनी चाहिए। हालांकि आप्लावन प्रौद्योगिकीविद् सामान्यतः बड़े चिकित्सा केंद्रों से संब(अस्पतालों में कार्य करते हैं लेकिन वे शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधानकर्ता या प्रवक्ता के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। इसके अंतर्गत डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

10 **संमण प्रौद्योगिकी** - विसंमण प्रयि की पतियां तथा स्थितियां और इनकी निगरानी किसी तरह से की जाती है,

यह किसी अस्पताल के लिए महत्वपूर्ण विषय होते हैं। विसंमण तकनीकें प्रतिदिन और अधिक कठिन होती जा रही हैं। प्रत्येक अस्पताल या स्वास्थ्य संगठन के पास अस्पताल में संमण से निपटने की भिन्न-भिन्न पतियां होती हैं जो मानवीय और अस्पताल में स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रयि है। विसंमण प्रौद्योगिकीविद विसंमण अनुभाग के साथ-साथ संदूषण विंग का प्रमुख होता है। नियंत्रण अस्पताल के लिए सुरक्षित और कम लागत में अच्छी गुणवत्ता के कार्य का वातावरण उपलब्ध् कराने में सक्षम होते हैं। उन्हें विसंदूषण के उद्देश्य, संदूषण नियंत्राण की भूमिका, भिन्न- भिन्न विसंमण व्यवहारों, विसंमण की वैध्ता, सर्जरी में उपकरणों की भूमिका, व्यवस्था और पैकिंग के दौरान उठाए जाने वाले कदमों, विसंमण संकेतकों का प्रयोग, एकल प्रयोग वाले उपकरणों को पुनः जारी करना, भण्डारण एवं वितरण, गुणवत्ता नियंत्राण आदि का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। वे ऑक्यूपेशनल जोखिम कारणों के प्रति भी जागरूक होने चाहिए। इसके तहत डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर पर पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

11. परमाणु चिकित्सा प्रौद्योगिकी परमाणु चिकित्सा में रोग के निदान और इलाज तथा अनुसंधन में रेडियो सयि अणुओं तथा मोलेक्यूल्स का प्रयोग किया जाता है। इसके अंतर्गत शरीर की शरीरवृत्ति और चयापचय के अध्ययन के लिए रेडियो आइसोटोप्स का प्रयोग किया जाता है। रोगों का पता लगाने के लिए विकिरण डिटेक्टर्स तथा इमेजिंग उपकरणों का प्रयोग किया जाता है क्योंकि इनसे सामान्य कोशिकाओं, टिश्यू और अंगों के कार्य तथा चयापचय परिवर्तित होते हैं। सुयोग्य कार्मिक परमाणु चिकित्सा प्रौद्योगिकीविद, विकिरण सुरक्षा अधिकारी, रेडियो कैमिस्ट, रेडियोपफार्मासिस्ट, पशु प्रौद्योगिकीविद और अनुप्रयोग विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर सकते हैं। परमाणु चिकित्सा में विशेषज्ञ के रूप में आपको रेडियो-बायोलॉजी, रेडियो-पफार्मेसी,विकिरण सुरक्षा, सिंटिग्रापिफक प्रयिाओं, सिंटिग्रापिफक उपकरणों, मानव शरीर-रचना और दैहिक विज्ञान के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसके तहत इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख उपकरण हैं आइसोटोप कैलीब्रेटर,थाइराइड जांच मशीन, रेक्टिलिनियर स्कैनर, संदूषण मानीटर, गामा कैमरा, स्पैट-सीटी स्कैनर, पीईटी कैमरा, पीईटी-सीटी स्कैनर, गामा जांच, मेडिकल साइक्लोट्रॉन आदि। उन्हें रेडियो पफार्मास्युटिकल्स तैयार करना, प्रयि अनुसार पर्याप्त मात्रा में दवाएं देना, खुराक देना, सिंटिग्रापिफक प्रोटोकॉल्स का पूर्णतः अनुपालन, रेडियो पफार्मास्युटिकल्स तथा उपकरणों के गुणवत्ता नियंत्राण के दायरे का मूल्यांकन, रिकार्ड कीपिंग और विकिरण सुरक्षा के दायरे की व्यवस्था करना। इस क्षेत्रों में डिग्री, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिग्री कार्यम संचालित किए जाते हैं।

12. **पोडियट्री पोडियट्री संब** (स्वास्थ्य विज्ञान का एक क्षेत्र है जिसके अंतर्गत पैर और टखने से संबंध्ति रोगों के निदान एवं इलाज पर केंद्रित, रोगियों के पूर्ण स्वास्थ्य में सुधर हेतु किए जाने वाले कार्य आते हैं। मनुष्य का पैर एक जैविकीय श्रेष्ठकृति है। इसकी तुलना अन्ततः किसी दौड़ने वाली कार या अंतरिक्ष शटल से की जा सकती है जिनके कार्यों से उनके डिजाइन और ढांचे का पता चलता है। मनुष्य का पांव शरीर का एक जटिल भाग है जिसमें 26 हड्डियां, 33 जोड़ और 100 से अध्कि नसें, मांसपेशियां और स्नायु तंत्रा का नेटवर्क है। चलने-फिरने के प्रत्येक दिन औसतन पांव कई सौ टन वजन के बराबर बल को झेलता है। इससे स्पष्ट होता है कि आपके पांव की शरीर के अन्य भागों की अपेक्षा अधिक चोटिल होने की आशंका क्यों होती है। पोडियाट्रिस्ट विभिन्न प्रकार के रोगियों के लिए पांव की देखभाल का मूल्यांकन और विश्लेषण कार्य करते हैं। वे रोगियों को चलने-पिफरने की स्थिति में रखने में बड़ा योगदान करते हैं। वे निदान के औजार के रूप में बायोमैकेनिक्स का प्रयोग करते हैं। वे मुख्यतः खेल के दौरान लगने वाली चोट की देखभाल करते हैं। कुछ रोगियों के पांव में कुछ भी संवेदन नहीं होता। वे बग़ैर पता चले चोटिल हो जाते हैं। इस श्रेणी में आने वाले रोगियों में मध्मेह, गठिया रोग, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात, पेरिपफेरॅल आर्टेरियल रोग तथ पेरिपफेरल नसों के नष्ट होने से संबंध्ति होने वाले रोगों से संबंध्ति व्यक्ति शामिल हैं। इन लोगों की देखभाल के लिए पोडियाट्रिस्ट्स की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इस क्षेत्रों से जुड़े व्यावसायिकों की भारत और विदेश में व्यापक मांग है। इसके अंतर्गत डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यम उपलब्ध् हैं।

13. **रेडियोग्राफी या मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी** रोग का निदान करने वाले रेडियोग्रापफर शरीर के अंगों और अन्य हिस्सों की प्रतिकृति तैयार करने के वास्ते एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड,फ्लुरोस्कोपी, कम्प्यूटरीकृत टेमोग्रापफी ;सीटीद्ध, मेमोग्रापफी, मैगनेटिक रेसोनेंस इमेजिंग ;एमआरआईद्ध, परमाणु चिकित्सा तथा एंजियोग्रापफी का प्रयोग करते हैं। रेडियोग्रापफर भिन्न-भिन्न प्रकार के रोगियों की एक्स-रे जांच करते हैं। इसके अंतर्गत सामान्य एक्स-रे से लेकर कन्ट्रास्ट मीडिया के प्रयोग से गुर्दे की जांच का काम किया जाता है। रेडियोग्रापफर बहिरंग विभाग में कार्य करते हैं तथा सर्जरी में कठिन प्रयिाओं से जुड़े काम करते हैं तथा अस्पतालों में सभी उम्र के रोगियों की निर्धरित जांच करते हैं। डायग्नॉस्टक रेडियोग्रापफर को व्यक्ति विशेष से संबंध्ति प्रयिाओं की प्रकृति और गंभीरता के संबंध् में निर्णय लेने के लिए क्लीनिकल रिजनिंग कौशल का प्रयोग करना होता है। उन्हें सामान्य और असामान्य शरीर-रचना तथा पैथोलॉजी की जांच के लिए प्रशिक्षित किया जाता है ताकि चिकित्सा विशेषज्ञ की रोग के सही निदान के वास्ते सहायता की जा सके और पूरक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सके। जब भी उनसे अनुरोध् किया जाए, उन्हें प्रयिाओं के परिणामों के संबंध् में स्वास्थ्य विशेषज्ञ को यह जानकारी उपलब्ध् करानी होती है। डायग्नॉस्टिक रेडियोग्राफर के पास इमेजिंग से जुड़े विशेषज्ञ कार्यों जैसे कि अल्ट्रासाउण्ड,सीटी, एमआरआई आदि में विशेषज्ञतापूर्ण

अवसर भी उपलब्ध होते हैं। रेडियोग्राफर किसी अस्पताल में दुर्घटना और आपातकाल,बहिरंग क्लीनिकों, ऑपरेटिंग थिएटरों, सघन चिकित्सा इकाइयों और सामान्य वार्डों सहित सभी विभागों को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। भारत में इस क्षेत्रों में डिप्लोमा डिग्री और स्नातकोत्तर पाठ्यम उपलब्ध् हैं। छात्रा विशिष्ट डायग्नॉस्टिक रेडियोग्रापफी के क्षेत्रा में विशेषज्ञता भी हासिल कर सकते हैं। इस विषय क्षेत्रों के लिए छात्रा यहां तक कि भारत और विदेश में स्थित दूरस्थ शिक्षण संस्थानों से भी संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

14. **पॉलीसोमनोग्रापिफक टेक्नोलॉजी** एक पॉलीसोमनोग्रापिफक प्रौद्योगिकीविद नींद से संबंध्ति अध्ययन, निगरानी और स्कोर्स का कार्य करते हैं। खर्राटों की शिकायत, दिन के समय यादा नींद महसूस होना, आरामरहित टांगें और अन्य नींद से जुड़ी समस्याओं से संबंधित रोगियों के शयनप्रयोगशालाओं में रातभर परीक्षण किए जाते हैं।

निम्नलिखित कार्य करते हैं

फिजिशियन द्व ारा निर्देशित विभिन्न प्रकार के निद्रा संबंधी अध्ययन।
रोगियों की मस्तिष्कीय तरंगों तथा अन्य मनोवैज्ञानिक गतिविधियों का वैद्युतीय मापन।
छोटी-मोटी कमियों को दुरुस्त करने सहित उपकरणों का संचालन और सामंजस्य।
विश्लेषण के लिए जैविकीय नमूनों को संग्रहीत और प्रसारित करना।

सामान्य रोगी का मूल्यांकन करना और रिकार्ड तैयार करना। निद्रा रोग से पीड़ित व्यक्तियों की जांच में पिफजिशियन की सहायता करना तथा अन्य परिणामी दस्तावेज और नीद संबंधी आंकड़े तथा रिकार्ड तैयार करना। निद्रा चिकित्सा के क्षेत्रा में तेजी से उभरता क्षेत्रों है निद्रा -व्यतिम श्वास यिा, विशेष रूप से ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एनीया सिन्ड्रोम ;ओएसएएसद्ध, जिसे कई दफा ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एनीयाहाईपोनिया सिंड्रोम ;ओएसएएच एसद्ध भी कहा जाता है। श्वासरोध् 10 सेकेण्ड या अध्कि समय के लिए श्वसन यिा और एयरफ्लो दोनों में से कोई एक या दोनों प्रकार की अवसान है। भारत में पॉलीसोमनोग्रापिफक प्रौद्योगिकी का हाल में विस्तार हुआ है। यह अब श्वास-यिा से जुड़ी चिकित्सा से संबंधित है।

इंफोसिस को मिला 341 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इन्फोसिस को आयकर विभाग से 341 करोड़ रुपए की कर मांग को लेकर नोटिस मिला है। इन्फोसिस ने कहा कि वह 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय विवरण पर आदेश के प्रभाव का आकलन कर रही है। इन्फोसिस ने यह भी कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ अपील दायर करने पर गौर कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इन्फोसिस लिमिटेड को 31 मार्च, 2024 को आयकर विभाग से आकलन वर्ष 2020-21 के लिए 341 करोड़ रुपये के लिए कर मांग नोटिस मिला है। कंपनी इसका 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय विवरण पर आदेश के प्रभाव का आकलन करने की प्रक्रिया में है। कंपनी ने कहा कि वह आदेश के खिलाफ अपील करने को लेकर विचार कर रही है।

नए वित्त वर्ष में ऑडी इंडिया की खुदरा बिक्री 33 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी ऑडी इंडिया की वित्त वर्ष 2023-24 की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,027 इकाई रही। जर्मनी वाहन विनिर्माता की वित्त वर्ष 2022-23 में बिक्री 5,275 इकाई रही थी। ऑडी इंडिया के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने विविध खंड के दम पर वित्त वर्ष 2023-24 में 33 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। हमारे उत्पाद खंड में मजबूत मांग बनी हुई है और हम आपूर्ति चुनौतियों से पार पाने के लिए तैयार हैं। वाहन विनिर्माता ने जनवरी-मार्च तिमाही में घरेलू बाजार में 1,046 इकाइयों की खुदरा बिक्री की। पिछले साल समान अवधि में उसने 1,950 वाहन बेचे थे।

सोभा को आयकर विभाग ने भेजा 46 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड को आयकर विभाग ने लगभग 46 करोड़ रुपये के कर मांग नोटिस भेजा है। नोटिस बेंगलुरु में सेंट्रल सर्कल-1(4) के आयकर उपायुक्त ने जारी किए हैं। नोटिस वित्त वर्ष 2016-17 और 2022-23 के आकलन से संबंधित हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 156 के तहत वित्त वर्ष 2016-17 और 2022-23 से संबंधित क्रमशः 13.12 करोड़ रुपये और 32.68 करोड़ रुपये के कर मांग नोटिस मिले हैं। सोभा ने कहा कि वह निर्धारित समय सीमा में उक्त आदेशों के खिलाफ आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील दायर करने की तैयारी कर रही है। इससे कंपनी के संचालन और अन्य गतिविधियों पर कोई असर नहीं होगा। बेंगलुरु स्थित सोभा लिमिटेड देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि मार्च में 16 साल के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली । उत्पादन और नए ठेकों में मजबूत वृद्धि होने की वजह से मार्च में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 16 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च में बढ़कर 59.1 पर पहुंच गया जो फरवरी में 56.9 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दिखाता है। एचएसबीसी एक अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत का मार्च विनिर्माण पीएमआई 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। विनिर्माण कंपनियों में मजबूत उत्पादन और नए ठेकों से नियुक्तियां बढ़ीं। विनिर्माण उत्पादन मार्च में लगातार 33वें महीने बढ़ा। अक्टूबर 2020 के बाद से यह सबसे अधिक बढ़ोतरी है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

रिलायंस ने अदाणी पावर प्रोजेक्ट में खरीदी 26 फीसदी हिस्सेदारी

कैप्टिव उपयोग के लिए संयंत्रों की 500 मेगावाट बिजली उपयोग करने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए

मुंबई ।

देश के प्रमुख कारोबार मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गौतम अदाणी के अदाणी ग्रुप से समझौता किया है। बता दें रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अदाणी ग्रुप की मध्य प्रदेश बिजली परियोजना में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। साथ ही कैप्टिव उपयोग के लिए संयंत्रों की 500 मेगावाट बिजली का उपयोग करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के अनुसार, रिलायंस अदाणी पावर लिमिटेड की मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी महान एनर्जी लिमिटेड में 10 रुपये के फेस वेल्यू पर 5 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदेगी। दोनों कंपनियों ने अलग-अलग स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कैप्टिव उपयोग के लिए 500 मेगावाट उत्पादन क्षमता का उपयोग किया जाएगा। बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज तेल और गैस से लेकर रीटेक और टेलीकॉम सेक्टर तक फैली हुई है। वहीं अदाणी ग्रुप समुद्री बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों, कोयला और खनन तक फैले इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करता है। ऐसा शायद ही कभी हुआ कि इन दोनों दिग्गजों ने कभी एक जैसे काम में हाथ डाला हो। हालांकि, दोनों कंपनियों ने हाल ही में क्लीन एनर्जी बिजनेस में कई अरब डॉलर का निवेश करनी की घोषणा की है। इतना ही नहीं दोनों आपसी में प्रतिस्पर्धा से बहुत दूर रहे हैं और साल 2022 में अंबानी से सम्बंधित एक कंपनी ने न्यूज ब्रॉडकास्टर एनडीटीवी में अपनी हिस्सेदारी अदाणी ग्रुप को बेच दी थी। इसी के चलते अदाणी ग्रुप एनडीटीवी का अधिग्रहण कर सका था। इस महीने की शुरुआत में जामनगर में अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत की प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में भी गौतम अदाणी मौजूद थे।

व्हाट्सएप्प ने फरवरी में रिकार्ड 76.28 लाख खातों पर रोक लगाई

नई दिल्ली ।

मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप्प ने कहा कि उसने 2021 के आईटी कानूनों के अनुरूप फरवरी में भारत में 76 लाख से अधिक खातों को प्रतिबंधित कर दिया है। कंपनी ने अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट में बताया है कि फरवरी 2024 में उसने 76,28,000 व्हाट्सएप खाते पर प्रतिबंध लगाया। इनमें से 14,24,000 खातों को उपयोगकर्ता की किसी भी शिकायत से पहले स्वयं पहल करते हुए प्रतिबंधित किया गया था। देश में 50 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को फरवरी में देश में रिकार्ड 16,618 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें 22 पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई में खातों को प्रे तिबें धित करना या रोक हटाना शामिल है। कंपनी ने इस साल जनवरी में 67,28,000 खातों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इनमें से लगभग 13.58 लाख खातों को किसी भी शिकायत से पहले स्वयं पहल करते हुए प्रतिबंधित किया गया था।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

- सोना 68,600, चांदी का भाव 76 हजार के पार

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी 76 हजार रुपये और सोना 68,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहा है। वै श्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 249 रुपये की तेजी के साथ 68,580 रुपये के भाव पर खुला। सोने के वायदा भाव ने सोमवार को 69,487 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 218 रुपये की तेजी के साथ 75,750 रुपये के भाव पर खुला। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,272.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,257.10 डॉलर था। जो 16.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,273.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.23 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.07 डॉलर था। जो 0.32 डॉलर की तेजी के साथ 25.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 110 अंक, निफ्टी 8.70 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। वै श्विक शेयर बाजार से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही विदेशी निवेशकों की निकासी से बाजार में मुनाफावसूली हावी रही जिसका प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 110.64 अंक करीब 0.15 फीसदी नीचे आकर 73,903.91 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 8.70 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी नीचे आकर 22,453.30 के स्तर पर बंद हुआ। रियल्टी, मेटल, ऑयल और गैस, मीडिया, बिजली और ऑटो सेक्टर के शेयर बढ़े। कारोबार के दौरान टाटा उपभोक्ता उत्पाद, एमएंडएम , बीपीसीएल, बजाज ऑटो और अडानी पोर्ट के शेयर ऊपर आये जबकि निफ्टी के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं हीरो मोटोकॉप, एचसीएल टेक्नोलोजीज , कोटक महिन्द्रा बैंक , आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई लाईफ इंशयूरेंस को नुकसान हुआ। वही गत दिवस बाजार भारी उछाल पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह

शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गई। सेंसेक्स 222.02 अंक गिरकर 73,792.53 पर आ गया। एनएसई निफ्टी 47.65 अंक गिरकर 22,414.35 पर कारोबार कर रहा था। बाद में बेंचमार्क सूचकांकों को उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। सेंसेक्स की कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट में ट्रेड कर रहे थे। दूसरी तरफ, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील और टाइटन के शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में सियोल निचले स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि टोक्यो, शंघाई और हांगकांग सकारात्मक क्षेत्र में थे। वॉल स्ट्रीट सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 522.30 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान यूपीआई से लेनदेन 100 अरब के पार

- वर्ष 2022-23 में यूपूआई से लेनदेन 84 अरब था

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल तेजी के बीच वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पिछले साल की तुलना में यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से लेनदेन में रिकॉर्ड 56 फीसदी और मूल्य के हिसाब से 43 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। यह पहला मौका है जब यूपीआई से लेनदेन वित्त वर्ष के दौरान 100 अरब के पार गया है और 131 अरब पर पहुंच गया है, जबकि 2022-23 में यह 84 अरब था। मार्च 2024 में भी लेनदेन में संख्या के हिसाब से 55 फीसदी वृद्धि और मार्च 2023 की तुलना में यह 13.44 अरब हो गई, जबकि मूल्य के हिसाब से 40 फीसदी वृद्धि हुई और यह 19.78 लाख करोड़ रुपए हो गया। वित्त वर्ष 24 के दौरान मूल्य के हिसाब से भी लेनदेन 199.89 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है, जबकि पिछले साल 139.1 लाख करोड़ रुपए था। फरवरी 2024 में लेनदेन क्रमशः 12.10 अरब और 18.28 लाख करोड़ रुपए था।

जनवरी 2024 में यह संख्या व मूल्य के हिसाब से क्रमशः 12.20 अरब और 18.41 लाख करोड़ रुपए था। वर्ल्डलाइन इंडिया में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में यूपीआई से लेनदेन में मजबूत वृद्धि हुई है। यूपीआई की पहुंच बढ़ने के साथ इससे लेनदेन का औसत आकार (एटीएस) छोटा हुआ है, जिसका मतलब हुआ कि छोटे लेनदेन बढ़े हैं। मार्च 2024 में एटीएस 1,471 रुपए रहा है, जो मार्च 2023 में 1,623 रुपए था। वहीं दूसरी तरफ मार्च 2024 में इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) से लेनदेन में संख्या के हिसाब से 17 फीसदी वृद्धि हुई है और यह 58.1 करोड़ हो गया है। मूल्य के हिसाब 16 फीसदी वृद्धि हुई है और यह 6.35 लाख करोड़ रुपए रहा है।

पूरे वित्त वर्ष के दौरान यह 9 फीसदी बढ़कर 599.9 करोड़ हो गया है जो 2022-23 में 551.0 करोड़ था।

वहीं मूल्य के हिसाब से आईएमपीएस से लेनदेन 17 फीसदी बढ़कर 64.93 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 55.42 लाख करोड़ रुपए था।

इरेडा ने वित्त वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक कर्ज मंजूर किया

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2023-24 में इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट (इरेडा) ने सर्वाधिक कर्ज को मंजूरी दी। इरेडा ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 37,354 करोड़ रुपये के कर्ज मंजूर किए और 25,089 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए। बयान के अनुसार ऋण पुस्तिका में 26.71 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह एक साल पहले के 47,076 करोड़ रुपये की तुलना में अब 59,650 करोड़ रुपये है। वार्षिक ऋण स्वीकृतियां 2022-23 में 32,587 करोड़ रुपये से 14.63 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 37,354 करोड़ रुपये हो गई। बयान में कहा गया है कि जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में कर्ज मंजूरी दोगुनी से भी अधिक होकर 23,796 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 11,797 करोड़ रुपये थी। इरेडा के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इरेडा की रिकॉर्ड कर्ज मंजूरी और वितरण देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने की हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

जनवरी-मार्च में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश घटकर 99.5 करोड़ डॉलर रहा: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

कार्यालय, आवासीय और भंडारण परिसंपत्तियों में धन का प्रवाह में कमी होने से जनवरी-मार्च में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 40 फीसदी घटकर 99.51 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया। एक रिपोर्ट के अनुसार एक साल पहले की अवधि में संस्थागत निवेश 165.83 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। रियल एस्टेट सलाहकार ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि विदेशी कोषों ने 55 फीसदी, जबकि घरेलू निवेशकों ने 45 फीसदी का योगदान दिया। आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी-मार्च में कार्यालय में संस्थागत निवेश 38 फीसदी गिरकर 56.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा जो पिछले साल 90.76 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। आवासीय क्षेत्र में निवेश में 72 फीसदी की गिरावट देखी गई। यह 36.11 करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर 10.26 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। औद्योगिक व भंडारण संपत्तियों में धन का प्रवाह 21.63 करोड़ अमेरिकी डॉलर से 18 फीसदी घटकर 17.77 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। कोलियर्स इंडिया में कैपिटल मार्केट्स एंड इन्वेस्टमेंट सर्विसेज के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारतीय रियल एस्टेट में घरेलू निवेशक तेजी से अपनी पकड़ बना रहे हैं। घरेलू संस्थागत निवेश में कार्यालय और आवासीय परिसंपत्तियों का हिस्सा करीब 66 प्रतिशत है, जो भारत के वृद्धि रुझानों के साथ तालमेल बैठाने के रणनीतिक दृष्टिकोण को दिखता है। उन्होंने कहा कि 2024 की पहली तिमाही जनवरी-मार्च में भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी प्रवाह में एशिया प्रशांत क्षेत्र का योगदान 82 प्रतिशत से अधिक रहा।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कहीं महंगा हुआ

- **बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा, यूपी में हुआ सस्ता**
- **ब्रेंट क्रूड 87.71 डॉलर प्रति बैरल**

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। मंगलवार को क्रूड 84.05 डॉलर प्रति बैरल जबकि ब्रेंट क्रूड 87.71 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहा है। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 2 अप्रैल के लिए पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। आंध्रा प्रदेश में पेट्रोल 0.50 पैसे, बिहार में 0.36 पैसे और छत्तीसगढ़ में 0.17 पैसे महंगा हुआ है जबकि असम, अरुणाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में ईंधन की कीमतें मामूली रूप से कम हुई हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 95.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.85 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर` मिल रहा है।

विस्तारा की 100 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल मामले में मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

एयरलाइन कंपनी विस्तारा में बीते सप्ताह 100 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल के ज्यादा मामले सामने आने के बाद नागे रिक उडडयन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनी से रिपोर्ट मांगी है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने उड़ान रद्द होने और देरी के संबंध में विस्तारा से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पिछले सप्ताह 100 से अधिक उड़ानें रद्द और विलंबित होने के कारण, विस्तारा एयरलाइंस की टिकट बुकिंग करने वालों को काफी परेशानी हुई थी। एयरलाइन ने कहा कि उसकी टीमें स्थिति को स्थिर करने के लिए काम कर रही हैं क्योंकि यह विभिन्न परिचालन कारणों से हुआ है। अधिकारी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पायलट दल की कमी सहित विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द की गईं और देरी हुई। ग्राहकों की परेशानी को कम करने के लिए हमारी टीम इस दिशा में काम कर रही हैं। विस्तारा के प्रवक्ता ने कहा कि हमने अपने नेटवर्क में पर्याप्त कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए अपनी संचालित उड़ानों की संख्या को अस्थायी रूप से कम करने का फैसला किया है।

अधिकारी के अनुसार हमने जहां भी संभव हो, उड़ानों को संयोजित करने या अधिक संख्या में ग्राहकों को समायोजित करने के लिए चुनिंदा घरेलू मार्गों पर हमारे बी787-9 ड्रीमलाइनर और ए321 नियो जैसे बड़े विमानों को भी तैनात किया है। इसके अलावा हम प्रभावित ग्राहकों को वैकल्पिक उड़ान विकल्प या रिफंड की पेशकश कर रहे हैं।

मार्च 2024 में जीएसटी संग्रह 11.5 फीसदी बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

पिछले वित्त वर्ष के आखिरी महीने मार्च 2024 में कुल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 11.5 फीसदी बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा। पिछले साल अप्रैल के बाद यह किसी महीने में सबसे अधिक जीएसटी संग्रह था। अप्रैल 2023 में सबसे ज्यादा 1.87 लाख करोड़ रुपये जीएसटी आया था। मार्च 2024 में वस्तुओं के आयात पर मिलने वाला एकीकृत जीएसटी कम रहा फिर भी कुल जीएसटी बढ़ने का मतलब है कि कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2023-24 में रिफंड से पहले कुल जीएसटी संग्रह 20.14 लाख करोड़ रुपये रहा, जो उससे पिछले वित्त वर्ष के 18.07 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 11.7 फीसदी अधिक है। मार्च में जीएसटी संग्रह 18.4 फीसदी बढ़कर 1.65 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024 के दौरान जीएसटी प्राप्तियां इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 13.4 फीसदी बढ़कर 18.01 लाख करोड़ रुपये रहीं। देश के भीतर सौदों में बढ़ोतरी से मार्च में जीएसटी को ताकत मिली। देसी सौदों से 17.6 फीसदी ज्यादा जीएसटी मिला है। दूसरी ओर जिंसों के दाम में नरमी से वस्तुओं के आयात पर मिलने वाला एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) मार्च में 5.1 फीसदी घटकर 40,322 करोड़ रुपये रह गया। मार्च में कुल 77,706 करोड़ रुपये केंद्रीय जीएसटी मिला और राज्य जीएसटी मद में 81,450 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

पूरे वित्त वर्ष की बात करें तो कुल केंद्रीय जीएसटी 8.62 लाख करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी प्राप्तियां 8.83 लाख करोड़ रुपये रहीं।

गुजरात टाइटंस के गेंदबाज मोहित ने अपने प्रदर्शन से किया प्रभावित

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने आईपीएल 2024 सत्र में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। मोहित 'डेथ ओवरों' में बेहद प्रभावी रहे हैं। उनकी कसी हुई गेंदबाजी के बल पर ही गुजरात की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 162 के स्कोर पर ही रोक दिया था। इस पारी मे मोहित ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए थे। इसी कारण उनकी टीम सात विकेट से जीत दर्ज करने में सफल हुई थी। वहीं इससे पहले 35 साल के मोहित को उपयोगी नहीं माना जा रहा था। इसी कारण उन्हें राष्ट्रीय टीम से भी बाहर कर दिया गया था। आईपीएल नीलामी में भी वह नहीं बिके थे। इसके बाद वह नेट गेंदबाज के तौर पर गुजरात से जुड़े और मुख्य टीम में जगह मिलते ही उन्होंने धूम मचा दी। उनका पिछला सत्र भी काफी अच्छा रहा था। मोहित की पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उम्र के साथ ही वह और बेहतर होते जा रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा- अभ्यास सामान्य है पर अहम बात यह है कि खेल की स्थिति के अनुसार विविधता का उपयोग कैसे किया जाए। गेंदबाजों के पास विविधता होती है पर यह मायने रखता है कि उसका उपयोग कब और कैसे करना है।

आईपीएल 2024 : दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स में होगा कड़ा मुकाबला

विशाखापत्तनम ।

आईपीएल में बुधवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच होगा। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी क्योंकि पिछले मैच में उसे चेन्नरई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ शानदार जीत मिली थी। उसका लक्ष्य अब जीत के सिलसिले को बनाये रखना होगा। वहीं दूसरी तरफ केकेआर ने अब तक अपने दोनो ही मैच जीते हैं और वह भी इस मैच के साथ ही जीत की हैट्रिक बनाना चाहेगी। उससे पिछले मैच में आरसीबी को हराया था। दिल्ली के लिए उत्साह की बात ये है कि उसके कप्तान ऋषभ पंत ने लय हासिल कर ली है ओर पिछले मैच में उन्होंने शानदार अर्धशतक लगाया था। कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और पृथ्वी शॉ भी अच्छे फार्म में हैं। ऋषभ पहले दो मैचों में औसत प्रदर्शन के बाद अपने पुराने फॉर्म में वापसी करते हुए पिछले मैच में 32 गेंद में 51 रन बनाये। ट्रिस्टन स्टब्स और मिचेल मार्श भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं। स्टब्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और टीम उनसे इस लय को बनाये रखने की उम्मीद कर रही होगी। दूसरी ओर मार्श ने अभी तक उस तरह की बल्लेबाजी नहीं की है जिसके लिये वह जाने जाते हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्तजे को अभी तक वापसी के बाद लय नहीं मिली है। दिल्ली के गेंदबाजों को केकेआर के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। युवा खलील अहमद ने पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की पर उन्हें क्षेत्ररक्षण में

सुधार करना होगा। इस मैच में अंतिम ग्यारह में अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को जगह मिल सकती है। दूसरी ओर केकेआर ने अब तक दोनों मैच जीते हैं। सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट, हरफनमौला आंद्रे रसेल और वेंकटेश अय्यर अच्छे फॉर्म में दिखे। उसके कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ रन बनाये। सुनील नरेन पारी की शुरुआत में तूफानी बल्लेबाजी करते हैं। गेंदबाजी में उसके पास तेज गेंदबाज हर्षित राणा हैं हालांकि मिचेल स्टार्क और स्पिरनर वरूण चक्रवर्ती अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला कांटे का रहेगा।

चार्ल्सटन ओपन टेनिस : वोज्नियाकी, अमांडा जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचीं

चार्ल्सटन ।

डेनमार्क की कैरोलिन वोज्नियाकी ने चार्ल्सटन ओपन टेनिस में शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की मेकार्टनी केसलर को एक घंटे तक चले मुकाबले में 6-0, 6-1 से हरा दिया। वोज्नियाकी की साल 2019 के बाद से क्ले कोर्ट पर यह पहली जीत थी। वह 2020 की शुरुआत में टेनिस से दूर हो गई थीं पर 2023 में उन्होंने एक बार फिर वापसी की।

अब दूसरे दौर में वोज्नियाकी का सामना 15 वीं वरीयता प्राप्त एन्हेलिना कलिनिना से होगा। कलिनिना ने टूर-स्तर पर चौथी सबसे लम्बी जीत 5-7, 7-5, 6-4 से हासिल की थी। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा भी जीत के साथ ही

दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। अनिसिमोवा ने फ्रांस की एलिजे कॉर्नेट को 1 घंटे 25 मिनट में 6-3, 6-0 से हराया। अनिसिमोवा अब दूसरे दौर में अपनी अपने ही देख की जेसिका पेगुला का सामना करेंगी।

एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी क्वालीफायर केटी वॉलिनेट्स ने नीदरलैंड की 54वीं रैंकिंग वाली अरांटेक्सा रस को 6-2, 6-7(6-8), 7-6(8-6) से हरा दिया। यह मुकाबला तीन घंटे और 43 मिनट तक चला और इस सत्र का सबसे लंबा मुकाबला रहा। वोलिनेट्स को अब दूसरे दौर में अपने ही देश की एम्मा नवारो से खेलना है। एक अन्य मुकाबले में शेल्बी रोजर्स ने अमेरिकी क्लेयर लियू को 6-1, 6-1 से हराकर सत्र की जीत से शुरुआत की।

विराट और रोहित से प्रभावित हैं कैमरन ग्रीन

मुम्बई ।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर कैमरन ग्रीन ने कहा है कि वह शीर्ष स्तर के भारतीय क्रिकेटरों विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेलकर बेहद उत्साहित हैं। कैमरन अभी आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की ओर से खेल रहे हैं। वहीं उन्होंने पिछले सत्र में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेला था। ग्रीन ने अब तक आईपीएल में कुल 19 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर के अनुसार आधुनिक युग के दो दिग्गज क्रिकेटरों रोहित और विराट खेलने का अवसर मिलना उनके लिए बेहद गर्व की बात है। आईपीएल 2024 के लिए आरसीबी ने ग्रीन को ट्रेड के जरिए मुंबई से अपने साथ जोड़ा है। इस क्रिकेटर ने कहा, 'ये दोनों खेल के महान खिलाड़ी हैं। हर बार जब मैं इसके बारे में सोचता हूं तो मुझे विश्वास ही नहीं होता कि मैं इतना भाग्यशाली हूं कि मैं भारतीय क्रिकेट के नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट के इन दो महान खिलाड़ियों के साथ खेल रहा हूं।' साथ ही कहा कि , 'ये दोनों खिलाड़ी टीम को जीत दिलाने में एक समान मदद करते हैं। ये दोनों एक समान ही आपको अपना समय देते हैं, दूसरी टीम के बारे में जानकारी देते हैं, अपने अनुभव बताते हैं साथ ही ये भी बताते हैं कि क्या लाभप्रद रहा है और क्या नहीं रहा है।' ग्रीन को मुंबई इंडियंस की टीम ने आईपीएल 2023 से पहले 17.50 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह तब आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी थे पर अब वह आरसीबी के साथ हैं। इस क्रिकेटर ने इस सत्र में अब तक 3 मैच खेले हैं पर वह कोई विशेष प्रदर्शन गेंद और बल्ले से नहीं कर पाये हैं।

पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सोमवार रात को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई। भारतीय हॉकी टीम इस दौरे में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच मैच खेलेगी। पहला मैच 6 अप्रैल को होगा जबकि दूसरा 7 अप्रैल को खेला जाएगा। इसके बाद बचे हुए तीन मैच 10, 12 और 13 अप्रैल को खेलेगी। इस मैच में प्रशंसकों को रोमांचक हॉकी देखने को मिलेगी। इसके साथ ही इससे भारतीय टीम को पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी कमियों को पहचानने का अवसर मिलेगा। इससे भारतीय टीम अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने के साथ ही अनुभव भी हासिल

करेगी। इन मैचों में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए भारतीय टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और मैदान पर हर पल को यादगार बनाने के लिए तैयार है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने से पहले, कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, जैसा कि हम ऑस्ट्रेलिया के इस महत्वपूर्ण दौरे पर जा रहे हैं, हम दृढ़ संकल्प और उत्साह से भरे हुए हैं। यह श्रृंखला पेरिस ओलंपिक से पहले सुधार के लिए हमारी ताकत और क्षेत्रों का आकलन करने का एक अच्छा अवसर है। हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने और हर पल को महत्वपूर्ण बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

इस बीच, उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, यह दौरा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम ऑस्ट्रेलिया में मजबूत टीम का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम अपने कौशल और रणनीतियों को निखारने के लिए एक टीम के रूप में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, और हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। हमारा ध्यान मजबूत प्रदर्शन करने और अपने देश को गौरवान्वित करने पर है।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई 16 अप्रैल को फ्रेंचाइजी मालिकों के साथ बैठक करेगी

वेतन सहित कई अन्य मामलों पर होगा फैसला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फ्रेंचाइजी मालिकों की एक बैठक बुलायी है। ये बैठक 16 अप्रैल को अहमदाबाद में होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बैठक के लिए सभी 10 टीमों के मालिकों को आमंत्रित किया गया है। इस बैठक में टीम मालिकों के साथ उनके मुख्य कार्यकारी (सीईओ) और टीमें भी बैठक में आ सकती हैं पर यह बैठक मुख्य रुप से केवल मालिकों के लिए ही बुलायी गयी है। इसमें बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और आईपीएल चेयरमैन अरुण सिंह धूमल भी शामिल होंगे। इस बैठक के लिए आईपीएल के सीईओ हेमांग अमीन ने सभी टीमों को आमंत्रित किया है। इस बैठक में रिटेंशन के साथ ही वेतन के मामले पर भी बात होगी। इस प्रकार की अटकलें हैं कि बीसीसीआई अगले साल होने वाली मेगा नीलामी से पहले नीतियों को लेकर अपना रुख स्पष्ट करना चाहती है। इसके अलावा इस बैठक में कई अन्य फैसले भी हो सकते हैं। इसमें ये भी देखा जाएगा कि आईपीएल को किस प्रकार आगे ले जाया जाये।

मुंबई इंडियंस को है सूर्यकुमार की वापसी का इंतजार

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है और टीम को आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की कमी खल रही है। मुंबई इंडियंस अब तक एक भी मैच नहीं जीती है। उसे तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है। टीम की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही है। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्या के जल्द ठीक होकर वापसी की कामना कर रहा है। सूर्या टी20 के नंबर एक खिलाड़ी हैं और अपने दम पर ही मैच पलट सकते हैं। अभी वह चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। सूर्या दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर वह चोटिल हो गए थे और तब से ही नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। सूर्यकुमार ने अब तक मुंबई इंडियंस की ओर से जबरदस्त खेल दिखाया है। साल 2012 में आईपीएल डेब्यू करने वाले इस बल्लेबाज ने साल 2018 में मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ने के बाद से ही जबरदस्त प्रदर्शन किया और टीम इंडिया तक में जगह बनायी। 85 मैच में सूर्यकुमार के नाम कुल 2641 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 103 रन रहा है।

सचिन ने कश्मीर की एक नन्हीं बच्ची का क्रिकेट खेलने का वीडियो जारी किया

नई दिल्ली ।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने जम्मू-कश्मीर के एक ग्रामीण इलाके का वीडियो जारी किया है, इसमें एक 9 साल की एक छोटी सी बच्ची हुरमत इरशाद भट क्रिकेट खेलती हुई दिख रही है। हुरमत इस वीडिया में शानदार शॉट और चौके-छक्के लगाती हुई दिख रही है। तेंदुलकर के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करने के बाद से ही सोपोर की हुरमत को जानने वालों की तादाद तेजी से बढ़ गयी है। इस नन्हीं सी क्रिकेटर ने इस वीडियो में बताया कि वह कक्षा तीन में पढ़ती है और मैदान में लड़कों के साथ क्रिकेट खेलती है। हुरमत ने कहा, मुझे क्रिकेट खेलने का बहुत शौक है। मैं आगे चलकर कश्मीर और अपने देश का नाम रौशन जरूर करूंगी। तेंदुलकर ने इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा था कि लड़कियों को क्रिकेट खेलते हुए देखना हमेशा ही अच्छा लगता है। ऐसे वीडियो देखकर बेहद खुशी होती है। वहीं हुरमत के पिता इरशाद अहमद ने कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि उनकी बेटी का वीडियो स्वयं तेंदुलकर ने साझा किया है। ह वीडियो जिसने भी देखा, वह बहुत खुश है। इसके बाद से ही इस नन्हीं सी क्रिकेटर के पास बहुत से फोन आने लगे। सभी ने कहा कि आपकी बच्ची बहुत अच्छा खेल रही है। इरशाद के पिता ने आगे कहा कि उनका गांव सुदूर इलाके में स्थित है और यहां खेल के मैदान सहित बुनियादी चीजों की कमी है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी भारत के लिए क्रिकेट खेलना चाहती है। वहीं स्थानीय क्रिकेटर शहजाद अहमद डार ने हुरमत इरशाद के इस वायरल वीडियो पर कहा कि हमारे गांव की हुरमत इरशाद भट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर हमें बहुत खुशी हो रही है। हम पहले से यहां खेलते आ रहे हैं, पहले जब हम हुरमत को खेलते हुए देखते थे, तो वह बाहर से गेंद उठाती थी। हमने देखा कि इसमें कुछ हुनर है। एक-दो दिन पहले हमने हुरमत का वीडियो डाला तो बहुत से लोगों ने इसको री-पोस्ट किया। उन्हें होंने कहा कि हमारी खुशकिस्मती है कि खेल जगत की इतनी बड़ी हस्ती ने अपने सोशल मीडिया पर इस वीडियो को पोस्ट किया। ये हमारे गांव के लिए बहुत अच्छा है।

मुझे और बेहतर प्रदर्शन करना चाहिये था : पांड्या

अब भी वापसी कर सकती है टीम

मुंबई ।

मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा है कि वह आईपीएल के अपने तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार से निराश हैं पर अभी भी उनका मनोबल कम नहीं हुआ है ओर टीम अगले मैच में जीत के साथ वापसी के लिए उतरेगी। इस मैच में हार्दिक के आउट होते ही मुम्बई की पारी ढ़ह गयी थी। पांड्या ने भी अपने आउट होने को निर्णायक बताया है। इस मैच में मुम्बई इंडियंस के चार विकेट 20 रनों में ही गिर गये थे। इसके बाद पांड्या और तिलक वर्मा ने 56 रन जोड़कर पारी संभालने का प्रयास किया। पांड्या एक बड़ा शॉट लगाने के फेर में यजुवेन्द्र चहल का शिकार बने। पांड्या ने 21 गेंदों में 34 रन बनाए जबकि तिलक वर्मा ने 29 गेंदों में 32 रन बनाये। वहीं इसके बाद रियान पराग के अर्धशतक से राजस्थान ने मैच जीत लिया। पांड्या ने कहा कि उनके विकेट से खेल बदल गया जबकि वह बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। उन्होंने कहा,हमने उस तरह से शुरुआत नहीं की जैसी हम चाहते थे। मुझे लगता है कि हम 150 या 160 तक पहुंच सकते थे पर मेरे आउट होने के बाद मैच हाथ से निकल गया। मेरा मानना है कि मुझे मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। पांड्या ने कहा कि यह देखना अप्रत्याशित था कि शुरुआत में ही पिच से गेंदबाजों को इतनी मदद मिल रही थी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह देखकर अच्छा लगा कि गेंदबाजों को विकेट से कुछ मिल रहा है। उन्होंने कहा, गेंदबाजों के लिए भी कुछ होना अच्छा है। खेल गेंदबाजों के लिए काफी क्रूर है। लेकिन यह अप्रत्याशित था। हार के बावजूद, पांड्या ने कहा कि टीम का मानना है कि वह अभी भी उबर सकती है और अभियान को पटरी पर ला सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए उन्हें अधिक अनुशासित होना होगा और अधिक साहस दिखाना होगा।

आईपीएल सुरक्षा में फिर लगी सेंध , रोहित के पास पहुंचा एक प्रशंसक

मुम्बई । आईपीएल में एक बार फिर सुरक्षा घेरे को तोड़ने का मामला सामने आया है। मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मैच में एक प्रशंसक रोहित शर्मा के पास पहुंच गया और उनके पांव छूने का प्रयास करने लगा। इससे रोहित डर गये। इसका एक वीडियो भी आया है। इस प्रशंसक ने रोहित के अलावा ईशान किशन को भी गले लगा लिया। ये प्रशंसक सीधे रोहित के पास गया जिसे देखकर वह हैरान हो गये। इस दौरान रोहित पहली स्लिप पर फील्डिंग कर रहे थे, उन्होंने पहले इस प्रशंसक से दूरी बनाने का प्रयास किया पर बाद में उन्हें गले लगाकर मैदान से बाहर जाने के लिए कहा। इस प्रशंसक ने इसके बाद विकेटकीपर ईशान किशन को भी गले लगाया और मैदान से बाहर चला गया। तब तक सुरक्षा कर्मी मैदान में पहुंच गये थे। इन लोगों ने तब इस प्रशंसक को बाहर किया। ये पहला मामला नहीं है जब आईपीएल में प्रशंसक मैदान पर पहुंचे हो। इससे पहले भी एक प्रशंसक आरसीबी के मैच में विराट कोहली के पास पहुंच गया था।

युवराज-रैना ने 2011 एकदिवसीय विश्व कप की जीत को याद किया

नई दिल्ली ।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और युवराज सिंह ने साल 2011 में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में मिली जीत को याद किया है। युवराज ने तब विश्वकप जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऐतिहासिक जीत को याद करते हुए युवराज और सुरेश रैना ने कहा कि वह पल आज भी उन्हें रोमांचित करता है। युवराज ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर टूर्नामेंट में अपने और भारतीय टीम के कुछ बेहतरीन पलों वाला एक वीडियो भी साझा किया। वहीं रैना ने भी सोशल मीडिया पर ट्वीट किया, अभी भी 2011 के उस ऐतिहासिक क्षण के बारे में सोचकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं जब हमने एक अद्भुत टीम के साथ विश्व कप जीता था। तब युवराज प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उन्होंने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए नौ मैचों की आठ पारियों में 90.5 की औसत और 86 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 362 रन बनाए थे। उन्होंने 113 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ एक शतक और चार अर्द्धशतक बनाए। वह आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे। उन्होंने 25.13 की औसत से 15 विकेट लिए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 31 रन देकर पांच विकेट लेने का रहा। वहीं रैना को टीम संयोजन के कारण चार मैचों में खेलने का मौका मिला। उन्होंने तीन पारियों में 74.00 की औसत से 74 रन बनाए। हालांकि उन्होंने अंतिम लीग मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल चार रन बनाये थे, रैना ने जरुरत के समय अच्छा प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 28 गेंदों में ही 34 रन बना दिये। इससे भारतीय टीम 261 रनों का पीछा करने में सफल रही। वहीं सेमीफाइनल में उन्होंने 39 गेंदों में 36 रन बनाये। इसके अलावा उन्होंने एक विकेट भी लिया।

खिताबी मुकाबले में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 274 रन

बनाये थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गौतम गंभीर ने 97, विराट कोहली ने 35, महेन्द्र सिंह धोनी ने 91 और युवराज सिंह ने 21 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

रियान ने शानदार प्रदर्शन के साथ ही टीम इंडिया के लिए पेश की दावेदारी

श्रेयस अय्यर की जगह खतरे में पड़ी

मुम्बई । आईपीएल के 2024 वें सत्र में इस बार राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज रियान पराग ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे पहले रियान ने घरेलू क्रिकेट में भी जमकर रन बनाये थे। ~ रियान ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 39 गेंद में ही 54 रन बनाकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को एक आसान सी जीत दिलाई। इसी के साथ ही इस क्रिकेटर ने ऑरेंज कैप के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। रियान के तीन मैचों में अब 181 रन हो गए हैं। वहीं आरसीबी के अनुभवी विराट कोहली के भी 181 रन हैं पर रियान स्ट्राइक रेट के मामले में विराट से कहीं आगे हैं। इस प्रकार उन्होंने टीम इंडिया में जगह को लेकर भी अपनी दावेदारी पेश कर दी है। रियान ने इस सत्र में चौथे नंबर पर बैटिंग करते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। धमाल मचा रहे हैं। आईपीएल से पहले रियान ने घरेलू क्रिकेट में भी आक्रामक बल्लेबाजी की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि वह भारतीय टीम में जगह के लिए प्रबल दावेदार बन गये हैं। उनके भारतीय टीम में प्रवेश की संभावना इसलिए भी बढ़ गयी है क्योंकि चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे श्रेयस अय्यर का फार्म अच्छा नहीं चल रहा है, उन्हें फिटने की भी समस्या है जिसके कारण वह टीम से भी बाहर चल रहे हैं। अय्यर ने काफी समय से नंबर चार पर कब्जा जमा रखा था पर अब रियान के आने से उनकी दावेदारी कमजोर हो गयी है। रियान लगातार बेहतर प्रदर्शन कर इस नंबर पर अपनी दावेदारी जता रहे हैं। अगर वह इसी प्रकार खेलते रहे तो शीघ्र ही भारतीय टीम में जगह हासिल कर सकते हैं।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह आयोजित होगा

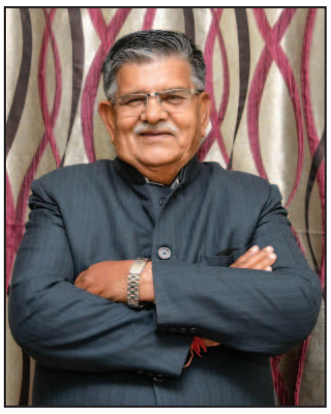

सूरत। भगवान महावीर विश्वविद्यालय (बीएमयू) का तीसरा दीक्षांत समारोह 4 अप्रैल 2024 को आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। साथ ही श्री सवजीभाई ढोलकिया, श्री सुरेश जैन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह में 2061 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जायेगी।

बीएमयू के संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी अनिल जैन ने कहा कि इस वर्ष 26 स्वर्ण पदक, 26 रजत पदक और 20 पीएचडी छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हमारा तीसरा दीक्षांत समारोह है और विश्वविद्यालय के कर्मचारी, प्राचार्य, निदेशक और छात्र इस अवसर को लेकर बहुत उत्साहित हैं। दीक्षांत समारोह के समापन के बाद विश्वविद्यालय द्वारा एक भव्य युवा उत्सव च्च्स्पंदनज्ज का भी आयोजन किया जाता है। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा फैशन शो, लोकनृत्य एवं टैलेंट शो प्रस्तुत किया जायेगा।साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण के माध्यम से प्रोत्साहित किया जायेगा।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संजय जैन ने बताया कि इस वर्ष 2061 विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों की उपाधियां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हम सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

बीएमयू न केवल छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है बल्कि प्लेसमेंट के माध्यम से उन्हें रोजगार के अवसर भी प्रदान करता है। यूनिवर्सिटी सुरतन का रोजगार कार्यालय प्लेसमेंट के सहयोग से हर साल मेगा जॉब फेयर का आयोजन करता है। बीएमयू और दूसरे राज्यों व देशों की यूनिवर्सिटी से हर साल दो से ढाई हजार छात्रों को सूरत समेत देशभर की 250 से ज्यादा कंपनियों में नौकरी मिलती है।

सूरत सहित दक्षिण गुजरात के विद्यार्थियों को पढ़ाई और शोध के लिए विदेश और दक्षिण भारत जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बीएमयू यूनिवर्सिटी में उन्हें सभी सुविधाएं मुहैया करायी जाती हैं. इनक्यूबेशन सेंटर में छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने और विशेषज्ञों से सलाह और फंडिंग प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

डॉ. संजय जैन ने कहा, छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए भविष्य में उद्योगों को एक साथ लाया जाएगा। भगवान महावीर यूनिवर्सिटी स्थानीय उद्योगों के साथ मिलकर काम करने जा रही है। उद्योगों के लिए उपयोगी ज्ञान एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किये गये हैं।

मतदाता जागरूकता के लिए सुबह अठवालाइन्स में भव्य 'वॉकथॉन' का आयोजन किया गया

सूरत। आगामी लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर नागरिक अपने मताधिकार का अधिक से अधिक प्रयोग करें, पुलिस परेड से जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौरभ पारधी के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता के लिए अधिक से अधिक लोग अपना नाम दर्ज कराएं. ग्राउंड से पुलिस ग्राउंड तक वॉकथॉन रैली आयोजित की गई।

इस वॉकथॉन रैली का संचालन अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी श्री केजे राठौड़ एवं डीसीपी आरसी पटेल द्वारा किया गया। श्रीमती हेतल पटेल एवं श्रीमती अमिता वनाणी ने झण्डी दिखाकर प्रस्थान किया। इस वॉकथॉन में विभिन्न स्कूलों के छात्र, पुलिसकर्मी बड़ी संख्या में शामिल हुए और '10 मिनट देश के लिए', 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व', 'मतदान हमारा अधिकार', 'अवसर डायनामोक्रानो', 'पहला' जैसे विभिन्न नारे लगाए। च्वोटिंग फिर दूसरे कामज्ज और पोस्टर के जरिए ज्यादा से ज्यादा वोटिंग का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त श्रीमती हेतलबेन पटेल ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले क्रांतिकारियों को याद किया और सभी से लोकतंत्र के महापर्व में भाग लेने और मतदान करने का अनुरोध किया। अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी श्री के. जे.राठौड़ ने बताया कि लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने के उद्देश्य से वॉकथॉन का आयोजन किया गया।अधिकतम मतदान का अनुरोध किया गया।

इस मौके पर सभी ने मतदान करने का संकल्प लिया। प्रारंभ में सभी विद्यार्थियों ने योग गरबा किया।

इस अवसर पर जिला आपूर्ति अधिकारी श्री दर्शन शाह, मामलतदार श्री प्रतीक जाखड़, जिला शिक्षा अधिकारी श्री भागीरथ सिंह परमार, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी श्री जयेश पटेल, शिक्षा निरीक्षक संगीताबेन मिस्त्री एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने संदेश दिया। लोगों को वोट देना है।

डीडी फ्री डिश पर ज़ी लेकर आया भारत का सबसे चहेता एक्शन मूवी चैनल "एक्शन सिनेमा"

उत्तम दर्जे की फिल्मों के साथ अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए मशहूर ज़ी का हिंदी फिल्मों का समूह भारतीय दर्शकों की हर पसंद पर खरा उतरने वाले चैनलों के साथ टेलीविजन जगत में क्रांति ला रहा है। अब डीडी फ्री डिश पर च्च्एक्शन सिनेमाज्ज के आने से, ज़ी देश भर में लाखों लोगों के लिए मनोरंजन को एक नए मायने देने जा रहा है।

डीडी फ्री डिश के चैनल नंबर 70 पर उपलब्ध "एक्शन सिनेमा" एक स्थापित ब्रांड है जो अपनी जोरदार और जबर्दस्त एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता है और सभी उम्र के एक्शन फिल्म प्रेमियों की पसंद पर खरा उतरता है। यह चैनल रोमांचक एक्शन दृश्यों और दिलचस्प कहानियों की चाहत रखने वाले दर्शकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बनने को तैयार है।

अपनी विशाल लाइब्रेरी के साथ ये चैनल हर दशक के सबसे चहेते सितारों की बेहतरीन एक्शन फिल्में दिखाता है, जिनमें बॉलीवुड के सनी देओल, अजय देवगन, अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, सलमान खान से लेकर साउथ के अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर, महेश बाबू और सूर्या जैसे दिग्गज सितारे शामिल हैं।

ज़ी हिंदी मूवीज़ क्लस्टर के बिज़नेस हेड - श्री रुचिर तिवारी ने कहा, "हम अपने दर्शकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार कुछ नया करने और उनके अनुसार ढलने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्र हमारी प्राथमिकता हैं, जहां से देश के आधे से ज्यादा टीवी फिल्म दर्शक आते हैं। यह कदम ग्रामीण इलाकों में लाखों परिवारों का मनोरंजन करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा उद्देश्य एक जरूरी कमी को पूरा करना और दर्शकों के साथ एक करीबी रिश्ता बनाना है। साथ ही हम यह भी चाहते हैं कि दर्शक मनोरंजन की अपनी दैनिक खुराक से कभी न चूकें और हम संपूर्ण मनोरंजन के लिए उनकी नंबर एक पसंद बनें।"

भगवान महावीर यूनिवर्सिटी के बी.एस.सी और एम.एस.सी पाठ्यक्रमों के साथ शुरू करें अपनी सफलता की यात्रा

सुरत भुमि,सूरत। भगवान महावीर यूनिवर्सिटी उच्च शिक्षा के लिए प्रमुख संस्थानों में से एक है जिसका लक्ष्य क्वालिटी एजुकेशन प्रदान करना और समग्र विकास को बढ़ावा देना है। विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की मांग के कारण, विश्वविद्यालय कई बैचलर्स और मास्टर्स पाठ्यक्रम और डिप्लोमा प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम बॉटनी, जूलॉजी , माइक्रोबायलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, फिजिक्स, मैथ्स, केमिस्ट्री और मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी (MLT), साइंस और डिप्लोमा जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं।

महत्त्व और स्कोप

साइंस एजुकेशन आज के समय में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक बहुत तेज गति से बदल रही है। भगवान महावीर विश्वविद्यालय में हम समझते हैं कि विज्ञान हमारे समाज को कैसे बदलता है और हमें आगे बढ़ने में मदद करता है। हमारे हाल ही में शुरू किए गए पाठ्यक्रमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र अपने विशेषज्ञता के क्षेत्र के बारे में व्यापक ज्ञान प्राप्त करें और इस प्रकार उन्हें अपने संबंधित करियर में बेस्ट परफॉरमेंस देने में सक्षम बनाया जाए।

बीएससी और एमएससी दोनों डिग्रियों के डिस्टिंक्ट एडवांटेजेज़ हैं। बीएससी डिग्री क्षेत्र विशेष में सॉलिड फाउंडेशन प्रोवाइड करती है जो एंट्री-लेवल पोजीशन्स और करियर पाथ्स में वर्सटिलिटी के लिए दरवाज़े खोलती है। वहीं, एक एमएससी डिग्री स्पेशलाइज़ेशन, करियर एडवांसमेंट, रिसर्च ऑपोरचुनिटीज़ और हायर अर्निंग पोटेंशियल का अवसर देती हैं। दोनों के बीच का चुनाव इंडिविजुअल करियर गोल्स और अपनी-अपनी रूचि पर निर्भर करता है।

इन प्रोग्राम्स के फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स बहुत ही अच्छे हैं। हेल्थकेयर, केमिकल, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल टेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, एनवायरमेंटल साइंस और बहुत से अन्य इंडस्ट्रीज इस समय ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में हैं जो आज हम जिन कॉम्प्लेक्स इश्यूज का सामना कर रहे हैं, उनको हैंडल कर सकें। हमारे साइंस कोर्सेस स्टूडेंट्स को अपने सब्जेक्ट्स को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं और साथ ही उन्हें लुक्रेटिव और सोसायटी में कन्विंसिंग करियर्स के लिए तैयार करते हैं।

भगवान महावीर यूनिवर्सिटी में एनरोल करने के फायदे क्या-क्या हैं ?

भगवान महावीर विश्वविद्यालय क्लासरूम लर्निंग के पारंपरिक दायरे से परे पूर्ण शिक्षा प्रदान करने की अपनी काबिलियत पर गर्व महसूस करता है। निम्नलिखित पॉइंट्स उजागर करते हैं कि क्यों छात्र इस विश्वविद्यालय को साइंटिफिक स्टडीज के लिए चुनते हैं-

1. एक्सपर्ट फैकल्टी
2. स्टेट-ऑफ-द-आर्ट फैसिलिटीज़
3. इंडस्ट्री डिमांड्स से अलाइन्ड करिकुलम
4. इंटर्नशिप और प्लेसमेंट ऑपरचुनिटीज
5. होलिस्टिक डेवलपमेंट

निष्कर्ष

गवान महावीर विश्वविद्यालय अपनी ओर से विज्ञान शिक्षा में उत्कृष्टता प्रदान करने और साइंटिफिक लीडर्स की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। यह छात्रों के लिए हमारी नई कोर्स ऑफरिंग्स के माध्यम से खोज, इनोवेशन और आत्म-विकास की प्रक्रिया में प्रवेश करने का एक रोमांचक अवसर है। इसलिए हम सभी संभावित वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं से आग्रह करते हैं कि वे आने वाली पीढ़ी के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने की यात्रा में हमसे जुड़ें।

ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च में 53,000 से ज्यादा यूनिट्स का ऑल-टाइम हाई रजिस्ट्रेशन दर्ज किया

बेंगलुरु । ओला इलेक्ट्रिक ने आज घोषणा की है कि उसने मार्च महीने में 53,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन (वाहन पोर्टल के अनुसार) दर्ज किए, जो लगातार पांचवें महीने में फिर से सबसे अधिक मन्थली वॉल्यूम है। कंपनी ने FY23 की तुलना में FY24 में 115% की वार्षिक वृद्धि हासिल की, जिसमें 328,785 यूनिट्स रजिस्टर्ड थीं, जबकि FY23 में 1,52,741 यूनिट्स रजिस्टर्ड थीं। मार्च में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ, कंपनी ने महीने के दौरान अपने अग्रणी मार्केट शेयर को बनाए रखा और पिछली तिमाही में 84,133 यूनिट्स की तुलना में Q4 FY24 के दौरान पंजीकृत 119,310 यूनिट्स के साथ 42% क्वार्टरली वृद्धि दर्ज की।

ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अंशुल खंडेलवाल ने कहा: "मार्च में रजिस्ट्रेशन के 53,000 मार्क को पार करने के साथ साथ FY24 का अंत इससे बेहतर नहीं हो सकता था। पिछला वर्ष हमारे साथ-साथ EV इंडस्ट्री के लिए भी महत्वपूर्ण रहा है, और हम वॉल्यूम व मार्केट शेयर दोनों में लगातार वृद्धि दर्ज करते हुए पूरे वित्तीय वर्ष में मार्केट लीडर रहे हैं। हमने अकेले Q4 FY24 में लगभग 1.20 लाख रजिस्ट्रेशन्स दर्ज किए हैं, जो हमारे मजबूत स्कूटर पोर्टफोलियो को दर्शाता है, और हमारा लक्ष्य विकास पथ की ओर बढ़ना व भारत की इलेक्ट्रिफिकेशन जर्नी में और योगदान रखना है।"

ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में EV को अपनाने में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के प्रयास में प्रोडक्ट्स, सर्विसेस, चार्जिंग नेटवर्क और बैटरी वारंटी जैसे इनिशिएटिव की एक सीरीज की घोषणा की है। S1 X (4kWh) के लॉन्च के साथ, ओला इलेक्ट्रिक का पोर्टफोलियो अब बढ़कर छह प्रोडक्ट्स (S1 Pro, S1 Air, S1 X+, S1 X - 2 kWh, 3kWh, 4kWh) का हो गया है जो अलग-अलग कीमतों पर और अलग-अलग रेंज के ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करती है।

ओला इलेक्ट्रिक ने बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के अपने प्रोडक्ट्स की पूरी श्रृंखला के लिए 8 साल/80,000 किमी की एक्सटेंडेड बैटरी वारंटी भी लॉन्च की, ओला इलेक्ट्रिक का मानना है कि यह कदम वाहनों के जीवनकाल को बढ़ाकर EV अपनाने में आने वाली बाधाओं में से एक का समाधान करता है। ग्राहक अब ऐड-ऑन वारंटी का विकल्प भी चुन सकते हैं और 4,999 रुपये की मामूली स्टार्टिंग प्राइस पर ट्रैवल किए गए किलोमीटर की ऊपरी सीमा को 125,000 किमी तक बढ़ा सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक 3KW का पोर्टेबल फास्ट चार्जर एक्सेसरी भी ऑफर करता है और इसे आप 29,999 रुपये में खरीद सकते हैं। 19 मार्च को, कंपनी ने देश भर में अपने सर्विस नेटवर्क का विस्तार करते हुए, प्रयागराज में अपने 450वें सर्विस सेंटर का भी उद्घाटन किया।

पू. आचार्य देव श्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराज की प्रेरणा से 400 दिवसीय उग्र सामूहिक वर्षीतप तपस्या प्रारंभ हुई

श्री अरिहंत पार्क संघ के आँगन में आचार्य देव श्री रविरत्नसूरीश्वरजी म. साहेब , प्रेरक पू. आचार्य देव श्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी म. साहेब, पू. आचार्य देव श्री जयेशरत्नसूरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में 165वां सामूहिक वर्षीतप मंगल प्रारंभ हुआ। फिर पू. आचार्य जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराज ने कहा कि हर धर्म में तप धर्म का विशेष महत्व बताया गया है, जैन धर्म में 8 साल के बच्चे से लेकर 90 साल के बुजुर्ग तक 8-8 दिन तक उपवास करते हैं। यह सारी शक्ति ईश्वर का कृपा स्वरूप है। व्रत करने से न केवल आत्मा शुद्ध होती है बल्कि शरीर के रोग भी नष्ट हो जाते हैं। चाहे थायराइड हो या बी. पी. हो, मधुमेह हो या कोलेस्ट्रॉल, तप धर्म सभी रोगों को नष्ट करने की शक्ति रखता है। इसी क्रम में वर्षों पहले पुणे में एक सच्ची घटना घटी। एक अंकल को अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी तो वह डॉक्टर के पास गए और डॉक्टर ने उन्हें कुछ रिपोर्ट निकलवाने की सलाह दी। भाई ने सारी रिपोर्ट ली और डॉक्टर के पास गए। डॉक्टर ने कहा कि आपका दिल बड़ा हो रहा है और रिपोर्ट देख रहे हैं यह स्पष्ट है कि आपकी जीवन प्रत्याशा 2 महीने शेष है। वो अंकल डर गए और तुरंत उस रिपोर्ट को लेकर मुंबई पहुंचे लेकिन हर डॉक्टर ने एक ही बात कही अब भगवान का नाम लो। वह व्यक्ति निराश होकर पुणे वापस आ गए और जब श्री गोडीजी पार्श्वनाथ प्रभु की पूजा करने गए, तो उन्हें सामूहिक वर्षीतप में शामिल होने की इच्छा महसूस हुई और वे 400 दिनों की गहन तपस्या में लग गए। डेढ़ महीने तक उन्हें सामान्य समस्या थी, लेकिन अब सांस लेने की समस्या दूर हो गई है।ज्ज उन्हें पहले से बेहतर महसूस होने लगा तो उन्होंने दोबारा रिपोर्ट निकलवाकर डॉक्टर को

दिखाई तो डॉक्टर यह देखकर हैरान रह गए कि उनका दिल सामान्य था और डॉक्टर ने कहा, च्च्आपने किस डॉक्टर की दवा ली ?ज्ज तब पहले व्यक्ति ने कहा, च्च्मैंने अपने भगवान द्वारा बताई गई दवा कर दी है।ज्ज उसके बाद उस व्यक्ति ने 400 दिनों तक एक दिन छोड़कर एक दिन उपवास करने की अद्भुत प्रथा पूरी की और उसके बाद कई वर्षों तक जीवित रहे। तप धर्म रोग को दूर करता है लेकिन राग को हटाकर वीनराग भी उत्पन्न करता है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में विकास के नए युग का सूत्रपात करने के लिए डिजिटाइजेशन की रणनीति को बढ़ावा दिया

स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा के साथ पहले ही नए युग का सूत्रपात कर दिया था। नए युग की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए कंपनी ने यूजर के जुड़ाव, उपभोक्ताओं को कंपनी की योजनाओं में शामिल करने और डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ते हुए कई डिजिटल गतिविधियों की शुरुआत की है। इससे बिक्री में काफी उछाल आया है और कंपनी अपने ग्राहकों या प्रशंसकों के ज्यादा नजदीक पहुंची।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर पेट्र जेनेबा ने कहा, "लगातार बदलते डिजिटल फलक, प्लेटफॉर्म और मीडियम को देखते हुए उपभोक्ताओं के अनुभव और उनके सफर को यादगार बनाने के लिए नए तरीकों को अमल में लाना बहुत जरूरी हो गया है। हमारी डिजिटल रणनीति यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है कि हमारे प्रॉडक्ट्स और सर्विसेज उपभोक्ताओं और फैंस तक उनके पसंदीदा रूप में पहुंचे। अभी तक कंपनी को नेम योर स्कोडा कैंपेन के तहत अपनी जल्द ही लॉन्च होने वाली ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए 1,50,000 एंट्रीज या नामों के सुझाव मिले हैं। हाल ही मे कंपनी का 24 घंटे का डिजिटल कैंपेन समाप्त हुआ, जिसमें कंपनी ने भारत में अपने कार्यकाल के 24 वर्ष पूरा करने का जश्न मनाते हुए एक दिन या 24 घंटे में 709 स्कोडा कारों की बुकिंग की। हमने स्कोडा गियर हेड्स कम्युनिटी के माध्यम से स्कोडावर्स इंडिया एनएफटी को और विस्तार दिया है। इसके साथ हम बड़े और विविधता से भरपूर मार्केट में ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए निरंतर नई पहल कर रहे हैं और नई रणनीति को अपना रहे हैं।''

नेम योर स्कोडा

इस कैंपेन से यूजर्स, उपभोक्ताओं और स्कोडा के फैंस कंपनी से अपना जुड़ाव और कंपनी की नई पहल में शामिल होने में कामयाब हुए हैं। इस कैंपेन के तहत उपभोक्ताओं को स्कोडा ऑटो इंडिया की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए नए नाम का सुझाव दिया। कंपनी की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी 2025 में भारत की सड़कों पर दौड़ेगी। इस कैंपेन के नतीजे के तौर पर कंपनी को अभी तक अपनी नई कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए 1,50,000 से ज्यादा नाम मिले हैं, जिसमें से 21 हजार बिल्कुल नए और अनोखे नाम है। यह एंट्रीज स्कोडा के अपनी सभी एसयूवी के नाम "के" से शुरू करने और बीच में एक या दो अक्षरों के साथ "क्यू" पर खत्म करने की परंपरा की कसौटी पर खरी उतरी हैं।

24 घंटे, 24 साल, 24 मार्च 2004

स्कोडा ऑटो इंडिया ने देश में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने का जश्न भी मनाया। कंपनी की शुरुआत भारत में दिसंबर 1999 में हुई है। इस महत्वपूर्ण अवसर का उत्सव मनाने के लिए कंपनी ने 24 मार्च 2024 को 24 घंटे के लिए ऑफर्स की एक सीरीज लॉन्च की। यह ऑफर विशेष रूप से डिजिटल प्लटफॉर्म पर दिए गए। इस पहल के तहत 24 घंटे की अवधि में 709 कारों की बुकिंग की गई। कंपनी के स्कोडा को सभी तक पहुचाने के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए इस नई पहल न ग्राहकों को अपने पसंदीदा स्कोडा ब्रैंड से जुड़ने का एक और अवसर दिया है। कंपनी ने वयस्कों और बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से 5 स्टार रेटिंग वाली कारों के बेड़े को सभी तक पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है।

ग्रीनवाशिंग के खतरों के प्रति उपभोक्ताओं को जागरूक होने की जरूरत

नई दिल्ली। प्राकृतिक हीरा उद्योग पारदर्शिता के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। वर्तमान समय में उपभोक्ता सस्टेनेबिलिटी पर ध्यान दे रहे हैं और ऐसे में उत्पाद खरीदते समय उन्हें इस संबंध में सही जानकारी उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है, जिससे वे सही निर्णय ले सकें।

हालिया मैकिंजी सर्वे के मुताबिक 60 प्रतिशत उपभोक्ता सस्टेनेबल पैकेजिंग के साथ आने वाले उत्पादों के लिए अतिरिक्त कीमत चुकाने को तैयार हैं। यह पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की बढ़ती मांग को दिखाता है। हाल के वर्षों में हीरा उद्योग में च्ग्रीनवाशिंगज्ज गंभीर चिंता के रूप में सामने आई है। ग्रीनवाशिंग का अर्थ है किसी उत्पाद के कारण पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में उपभोक्ताओं को गलत जानकारी देना या उन्हें भ्रमित करना। उपभोक्ताओं को ऐसे तरीकों के बारे में सतर्क होना चाहिए, विशेष रूप से लैब ग्रोन डायमंड्स (एलजीडी) यानी प्रयोगशाला में तैयार होने वाले हीरे के संबंध में।

एलजीडी से जुड़े मैन्यूफैक्चरर अक्सर इसे प्राकृतिक हीरे का सस्टेनेबल विकल्प बताते हैं। हालांकि प्रयोगशाला में तैयार होने वाले ये हीरे पर्यावरण के उतने अनुकूल हैं नहीं, जितना दावा किया जाता है। बड़े पैमाने पर एलजीडी के उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भर रहना होता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन होता है और उनके दावे पर सवाल खड़ा होता है।

प्रयोगशाला में बने हीरे असल में काफी हद तक फास्ट फैशन इंडस्ट्री जैसे हैं, जहां उत्पादन के लिए बहुत संसाधनों की जरूरत होती है और पर्यावरण को उसकी कीमत चुकानी पड़ती है। हफ्तों या कुछ दिनों में ही बना दिया जाने वाले हीरे उस भूगर्भीय प्रक्रिया के ठीक विपरीत हैं, जिसमें हजारों साल में प्राकृतिक हीरा तैयार होता है। प्राकृतिक हीरा उद्योग भी सस्टेनेबिलिटी की दिशा में प्रयास कर रहा है, जिसकी सराहना होनी चाहिए। उदाहरण के तौर पर, डी बियर्स ग्रुप ने 2030 तक कार्बन न्यूट्रल होने का लक्ष्य रखा है। वही रियो टिंटो 2050 तक नेट जीरो का लक्ष्य लेकर चल रही है। प्राकृतिक हीरे से जुड़ी कंपनियां कार्बन एब्जॉर्ब करने के लिए इनोवेटिव तरीकों पर भी शोध कर रही हैं। इसमें किंबरलाइट रॉक का मिनरलाइजेशन भी शामिल है, जिससे हीरा निकाला जाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)